राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

संजना भारती

RNI No. : DELHIN/2016/70240

आपका भरोसा, हमारी ताकत

2 मिल्कीपुर विजय से भाजपा को राहत व सपा...
3 बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के...
4 'रविदास जी सबसे बड़े समाज सुधारक हुए और...

वर्षः 9 | अंकः 110 | दिल्ली, गुरुवार, 13 फरवरी 2025 | पृष्ठ संख्याः 4 | मूल्यः 1 रुपया

संक्षिप्त समाचार

बागेश्वर धाम जाएंगे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली (एजेन्सी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 23 फरवरी को बागेश्वर धाम जाने वाले हैं, जहां उनका मध्य प्रदेश में बुंदेलखंड के पहले कैंसर अस्पताल की आधारशिला रखने का कार्यक्रम है। उनके दौरे से पहले बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष और सांसद वीडी शर्मा ने कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया और बागेश्वर धाम के पीठाधीश्वर पंडित धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री से कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर चर्चा की। विवरण के अनुसार, बागेश्वर धाम समिति और प्रशासन इस भव्य अवसर के लिए विशेष व्यवस्था कर रहा है। पीएम मोदी बुंदेलखंड में कैंसर अस्पताल के लिए भूमि पूजन करेंगे। बागेश्वर धाम में आयोजित होने वाले 'कन्या विवाह महोत्सव' (सामूहिक विवाह समारोह) में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी मौजूद रहेंगी। अपनी बेबाक टिप्पणियों के लिए जाने जाने वाले धीरेंद्र कृष्ण शास्त्री ने हाल ही में यह कहकर बहस छेड़ दी थी, "या तो वक्फ बोर्ड को खत्म करो या सनातन बोर्ड की स्थापना करो।" उन्होंने दावा किया कि जहां 2000 तक वक्फ बोर्ड के पास कुछ हजार एकड़ जमीन थी, वहीं अब उसके पास 8.5 लाख एकड़ से अधिक जमीन है। उन्होंने यहां तक आरोप लगाया कि बोर्ड ने संसद भवन को अपनी संपत्ति घोषित कर दिया है। शास्त्री ने एआईएमआईएम नेता अकबरुद्दीन ओवैसी पर भी निशाना साधा और उन्हें देश के संविधान और कानून के लिए चुनौती बताया। ओवैसी की विवादास्पद "15 मिनट" वाली टिप्पणी का जिक्र करते हुए शास्त्री ने उनके इरादों पर सवाल उठाया और आरोप लगाया कि ऐसे बयान अराजकता, दंगों और हिंसा को बढ़ावा देते हैं।

भाजपा अध्यक्ष नड्डा ने श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर में पूजा-अर्चना की

नई दिल्ली (एजेन्सी)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अध्यक्ष जे पी नड्डा ने बुधवार को समाज सुधारक रविदास की जयंती पर यहां करोल बाग स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना की। भाजपा की दिल्ली इकाई के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के साथ नड्डा मध्य दिल्ली में श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर गए और वहां आयोजित कीर्तन में भी शामिल हुए। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री ने समाज सुधारक गुरु रविदास की जयंती पर सभी को बधाई दी। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंतीके पावन अवसर पर नई दिल्ली स्थित श्री गुरु रविदास विश्राम धाम मंदिर में दर्शन व पूजन करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। सौहार्दपूर्ण, समृद्ध एवं न्यायप्रिय समाज की रचना में उनके महान विचार हम सभी के लिए प्रेरणादायक हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार संत रविदास के विचारों को चरितार्थ करते हुए समाज के सभी वर्गों के विकास में भागीदारी तय करने और उनके जीवनस्तर में सुधार लाने के लिए कृतसंकल्पित है। उन्होंने एक अन्य पोस्ट में कहा, सामाजिक समरसता का संदेश देती उनकी शिक्षाएं आज भी एकता, सद्भावना व चरित्र निर्माण हेतु सर्वथा अनुकरणीय हैं। भाजपा की दिल्ली इकाई के अनुसूचित जाति मोर्चा द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में भी पार्टी के कई नेताओं ने संत रविदास को श्रद्धांजलि दी।

पहाड़ी से टकराया ट्रक, दो लोगों की मौत

ईटानगर (एजेन्सी)। अरुणाचल प्रदेश की राजधानी ईटानगर के पास होलोंगी इलाके में एक ट्रक के पहाड़ी से टकरा जाने के कारण दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। ईटानगर के पुलिस अधीक्षक (एसपी) रोहित राजबीर सिंह ने बताया कि यह घटना सोमवार रात राष्ट्रीय राजमार्ग-415 पर हुई। उन्होंने बताया कि 18 पहियों वाला ट्रेलर ट्रक खुदाई के भारी उपकरण ले जा रहा था। पुलिस अधीक्षक के मुताबिक ट्रक के चालक की पहचान असम के सिबसागर निवासी रिपम बोरा (30) और उसके सहयोगी की पहचान पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद निवासी मेहदी हसन (24) के रूप में हुई है। दोनों ट्रक के केबिन के अंदर फंस गए और उनकी मौके पर ही मौत हो गयी। एसपी ने बताया कि शवों को कब्जे में लिया गया है और पोस्टमार्टम के लिए नाहरलगुन स्थित टोमो रिबा इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ एंड मेडिकल साइंसेज (टीआरआईएचएमएस) भेज दिया गया।

विजयवाड़ा में आग लगने से प्रदर्शनी में दुकानें जलकर खाक हो गईं

विजयवाड़ा (एजेन्सी)। विजयवाड़ा में एक प्रदर्शनी में बुधवार को आग लग जाने के कारण कई अस्थायीदुकानें जलकर खाक हो गईं। पुलिस ने यह जानकारी दी। विजयवाड़ा के सहायक पुलिस आयुक्त दुर्गा राव ने बताया कि प्लास्टिक के सामान की एक दुकान में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लगने का संदेह है। राव ने पीटीआई-भाषा को बताया, उनका कहना है कि आग लगने का कारण प्लास्टिक के सामान रखने वाली एक दुकान में शॉर्ट सर्किट हुआ। आग लगने की यह घटना सितारा सेंटर के बगल में स्थित प्रदर्शनी मैदान में हुई। उन्होंने बताया कि आग पर काबू पा लिया गया है और इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। पुलिस ने बताया कि भीषण गर्मी के कारण प्रदर्शनी में रखे कुछ अग्निशामक सिलेंडर फट गए।

'प्रधानमंत्री मोदी ने देशभर के किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के हित में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर सहकार से समृद्धि का मंत्र दिया'

त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के गठन का विधेयक जल्द ही संसद से होगा पारित

संजना भारती/पीआईबी

नई दिल्ली। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने नई दिल्ली में सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए की गई और वर्तमान में की जा रही पहलें' विषय पर सहकारिता मंत्रालय की संसदीय परामर्शदात्री समिति की पहली बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में केन्द्रीय सहकारिता राज्य मंत्री कृष्ण पाल और श्री मुरलीधर मोहोल, समिति के सदस्यों, केन्द्रीय सहकारिता सचिव और सहकारिता मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारियों ने भाग लिया। समिति ने बैठक में सहकारिता मंत्रालय द्वारा अपनी स्थापना के बाद से सहकारी समितियों को सशक्त करने के लिए की गई और वर्तमान में की जा रही पहलों से संबंधित विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की।

बैठक को संबोधित करते हुए केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश भर के किसानों और ग्रामीण क्षेत्र के हित में सहकारिता मंत्रालय का गठन कर सहकार से समृद्धि का मंत्र दिया। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार का मानना है कि सहकारिता के माध्यम से रोजगार सृजन और ग्रामीण क्षेत्र की समृद्धि दोनों संभव है।

श्री अमित शाह ने कहा कि देश की आजादी के कुछ वर्षों बाद तक सहकारिता आंदोलन मजबूत स्थिति में था, लेकिन बाद में ज्यादातर राज्यों में यह कमजोर होता गया। उन्होंने कहा कि केन्द्र में सहकारिता मंत्रालय के गठन के बाद हमने सबसे पहले राज्यों के साथ मिलकर प्राथमिक कृषि ऋण समितियों का डेटाबेस बनाने का काम किया और दो लाख PACS के पंजीकरण की प्रक्रिया शुरू की। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय सहकारी डेटाबेस विकसित करने का काम लगभग पूरा हो चुका है और अब देश भर की सहकारी समितियों की क्षेत्रवार जानकारी एक क्लिक पर उपलब्ध है।

श्री शाह ने कहा कि PACS के कंप्यूटरीकरण के लिए कदम उठाये गये। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में देश की एक भी पंचायत ऐसी नहीं होगी जहां PACS उपलब्ध नहीं हों। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि PACS को viable बनाने के लिए बनाए गये बायलॉज को देश के लगभग सभी राज्यों ने अपनाया है। उन्होंने कहा कि PACS को 20 से अधिक गतिविधियों से जोड़ा गया है और अब वे कॉमन सर्विस सेंटर, जन औषधि केन्द्र सहित अन्य सेवाएं प्रदान करना शुरू कर चुकी हैं।

श्री अमित शाह ने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने मौजूदा बजट सत्र में त्रिभुवन सहकारी विश्वविद्यालय के गठन के लिए विधेयक पेश किया है और जल्द ही संसद से पारित होगा। उन्होंने कहा कि इस विश्वविद्यालय के गठन से सहकारी क्षेत्र में आने वाले पेशेवरों को तकनीकी शिक्षा, एकाउंटिंग और प्रशासन संबंधी जानकारी और प्रशिक्षण मिलेगा। उन्होंने कहा कि इससे सहकारी क्षेत्र में प्रशिक्षित मैनपावर उपलब्ध हो सकेगा। केन्द्रीय सहकारिता मंत्री ने कहा कि राष्ट्रीय स्तर पर राष्ट्रीय सहकारी निर्यात लिमिटेड, राष्ट्रीय सहकारी ऑर्गेनिक लिमिटेड और भारतीय बीज सहकारी समिति लिमिटेड जैसी सहकारी संस्थाओं का गठन किया गया है, जिससे सहकारी क्षेत्र में निर्यात, ऑर्गेनिक उत्पादों और उन्नत बीजों को बढ़ावा मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि इन पहलों से आगामी कुछ वर्षों में सहकारी क्षेत्र में व्यापक बदलाव देखने को मिलेगा।

श्री अमित शाह ने कहा कि सरकार का प्रयास है कि कोऑपरेटिव सेक्टर को कॉर्पोरेट सेक्टर के समान ही अवसर उपलब्ध हों। उन्होंने कहा कि सहकारिता मंत्रालय ने वित्त मंत्रालय, रिजर्व बैंक और आयकर विभाग के साथ मिलकर कॉर्पोरेट सेक्टर और कोऑपरेटिव सेक्टर के लिए टैक्स संरचना को एकसमान बनाने के लिए कदम उठाये हैं। उन्होंने विश्वास जताया कि देश के सहकारिता क्षेत्र से जुड़े उद्यम कॉर्पोरेट जगत के साथ स्पर्धा के साथ आगे बढ़ेंगे और प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के सहकार से समृद्धि के विजन को साकार करेंगे।

गृह और सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने परामर्शदात्री समिति को बताया कि सहकारिता से जुड़े राष्ट्रीय फेडरेशनों के त्वरित विकास के लिए कृषक भारती कोऑपरेटिव लिमिटेड, इंडियन फारमर्स फर्टिलाइजर कोआपरेटिव लिमिटेड, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड और अन्य फेडरेशनों के साथ रोडमैप बनाने पर कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि आज के समय में PACS रेलवे टिकटों की बुकिंग का काम कर रहे हैं और उन्होंने विश्वास जताया कि जल्द ही PACS भी एयरलाइंस टिकटों की बिक्री कर सकेंगे।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का फ्रांस के मार्सिले में भारतीय समुदाय द्वारा गर्मजोशी से स्वागत किया गया। (स्रोतः पीआईबी)

50 करोड़ लोग प्रयागराज में आस्था की डुबकी लगा चुके हैंः सीएम योगी आदित्यनाथ

(एजेन्सी)।

यूपी। यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि माघी पूर्णिमा के अवसर पर करोड़ों लोग प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगाया है। उन्होंने कहा कि यह नया उत्तर प्रदेश है, जिसकी आबादी 25 करोड़ है और कल तक 50 करोड़ लोग प्रयागराज में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। लेकिन कुछ लोगों को चोरी-छिपे ऐसा करने की आदत होती है, उन्होंने कोरोना वायरस की वैक्सीन तो लगवा ली लेकिन दुनिया से कहते रहे कि वैक्सीन न लगवाएं। बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने चोरी-छिपे संगम में डुबकी लगाई और वापस आ गए लेकिन जनता से कह रहे हैं कि डुबकी न लगाएं। जब उन्हें मौका मिला तो उन्होंने कुछ नहीं किया। महाकुंभ के पांचवे

स्नान पर्व माघी पूर्णिमा पर बुधवार को दोपहर दो बजे तक 1.83 करोड़ से अधिक लोगों ने गंगा और संगम में डुबकी लगाई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। सरकार ने इस दौरान, स्नान करने वाले श्रद्धालुओं पर हेलीकॉप्टर से पुष्पवर्षा कराई। बुधवार तड़के से ही महिला, पुरुष, बुजुर्ग और बच्चों समेत श्रद्धालुओं का गंगा और संगम घाट की ओर आगमन जारी है। मेला प्रशासन द्वारा जारी आंकड़ों के मुताबिक, बुधवार को दोपहर दो बजे तक 1.83 करोड़ से अधिक लोगों ने संगम और गंगा में स्नान किया। 13 जनवरी से अब तक 48 करोड़ से अधिक लोग यहां स्नान कर चुके हैं।

सभी कल्पवासियों से यातायात नियमों का पालन करने और केवल अधिकृत पार्किंग का उपयोग करने का अनुरोध किया गया है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार सुबह चार बजे से ही लखनऊ में अपने आधिकारिक आवास में बने वार रूम से मेला क्षेत्र की निगरानी कर रहे हैं। उनके साथ पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) प्रशांत कुमार, प्रमुख सचिव (गृह) संजय प्रसाद और अन्य अधिकारी भी मौजूद हैं।

पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नायब सैनी की नीतियों से प्रभावित होकर लोग भाजपा में हो रहे शामिलः राणा

पार्षदों ने भाजपा में जताई आस्था, विधायक ने किया स्वागत

संजना भारती संवाददाता

असन्ध। नगरपालिका असंध चेयरमैन पद के लिए पार्टियों में जोड़ तोड़ की राजनीति शुरू हो चुकी है। बुधवार को पार्षद राजेंद्र भट्ट, पार्षद प्रतिनिधि राजकुमार बंसल, विजय गर्ग व विनोद गोयल ने भाजपा में अपनी आस्था जताई। सभी को विधायक योगेंद्र राणा ने पार्टी का पटका पहना कर सदस्यता दिलवाई।

विधायक योगेंद्र राणा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और हरियाणा सीएम नायब सिंह सैनी की जन हितैषी नीतियों से प्रभावित होकर पार्षदों ने भाजपा पार्टी का दामन थाम लिया है। उन्होंने कहा कि सैकड़ों कार्यकर्ता के साथ रॉकी मद्दू ने भाजपा पार्टी को मजबूती देने का काम किया है। उन्होंने कहा कि देश के प्रधानमंत्री की बहुत दूरगामी सोच है। जन जन तक सभी नीतियां पहुंच रही है। जनता को लाभ मिल रहा है। वहां भी सरकार की नीतियों से प्रभावित हुए है। जन सेवा करना ही उनका उद्देश्य है।

इस अवसर पर पूर्व मंडल अध्यक्ष राम अवतार जिंदल, भाजपा वरिष्ठ नेता बृज टक्कर, नगरपालिका कार्यकारी चेयरमैन राजेंद्र ढींगड़ा, सुनीता अरडाना, मंडल उपाध्यक्ष सतीश वर्मा, मास्टर अजय कुमार, नरेश राणा, एडवोकेट नरेंद्र, कंवर पाल राणा, अमृत सिंह, पूर्व चेयरमैन दीपक छाबड़ा सहित अन्य भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सज्जन कुमार दोषी करार

(एजेन्सी)।

नई दिल्ली। दिल्ली की राऊज एवेन्यू कोर्ट ने बुधवार को 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में पूर्व कांग्रेस सांसद सज्जन कुमार को दोषी करार दिया। यह मामला 1 नवंबर 1984 को सरस्वती विहार इलाके में पिता-पुत्र की हत्या से जुड़ा है। मामले को सजा पर बहस के लिए 18 फरवरी को सूचीबद्ध किया गया है। सज्जन कुमार वर्तमान में दिल्ली कैंट में एक अन्य सिख विरोधी दंगा मामले में आजीवन कारावास की सजा काट रहे हैं। मामला 1984 के सिख विरोधी दंगों के दौरान यहां सरस्वती विहार इलाके में दो व्यक्तियों की हत्या से संबंधित है। अदालत ने एक नवंबर 1984 को जसवंत सिंह और उनके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या से संबंधित मामले में अंतिम दलीलें सुनने के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था।

16 दिसंबर, 2021 को अदालत ने कुमार के विरुद्ध आरोप तय किए और उनके खिलाफ प्रथम दृष्टया मामला सही पाया। अभियोजन पक्ष के अनुसार,

घातक हथियार लिए भीड़ ने पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का बदला लेने के लिए बड़े पैमाने पर लूटपाट, आगजनी और सिखों की संपत्ति को नष्ट किया था। अभियोजन पक्ष ने आरोप लगाया कि भीड़ ने घर में घुसकर जसवंत और उनके बेटे की हत्या कर दी और सामान लूटकर उनके घर को आग के हवाले कर दिया।

मामले में सुनवाई करने वाली अदालत के अनुसार प्रथम दृष्टया यह तय करने के लिए पर्याप्त सबूत हैं कि कुमार न केवल एक भागीदार थे, बल्कि उन्होंने भीड़ का नेतृत्व भी किया था।

राज्य का दर्जा जम्मू-कश्मीर में आतंकवाद को खत्म नहीं करेगा: फारूक अब्दुल्ला

(एजेन्सी)।

जम्मू-कश्मीर। नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के अध्यक्ष डॉ. फारूक अब्दुल्ला ने बुधवार को कहा कि भले ही जम्मू-कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल कर दिया जाए, फिर भी आतंकवाद खत्म नहीं होगा और इसे लोगों के समर्थन की जरूरत है। फारूक अब्दुल्ला ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा कि राज्य का मुद्दा कई वर्षों से है। उन्होंने कहा कि भले ही राज्य का दर्जा बहाल हो जाए और हमें सब कुछ मिल जाए, लेकिन क्या लोग सोचते हैं कि इससे यहां आतंकवाद खत्म हो जाएगा। जो लोग बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं कि यहां आतंकवाद खत्म हो गया है, उनसे पूछें कि क्या यह अभी भी है या नहीं।

अब्दुल्ला ने कहा कि कल ही इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस विस्फोट में दो जवान शहीद हो गये। उन्होंने सवला करते हुए कहा कि वह कहां से आया? जम्मू-कश्मीर में सामान्य स्थिति बहाल करने के लिए हमें लोगों की मदद की जरूरत है। अब समय आ गया है कि हमें शांति स्थापित करनी चाहिए। यहां शांति ही कुछ कर सकती है। हमारे बच्चे बेरोजगार हैं। जब शांति नहीं है तो

इन मुद्दों का समाधान कैसे किया जा सकता है? उन्होंने यह भी कहा कि आम आदमी पार्टी (आप) और कांग्रेस के बीच चुनाव पूर्व गठबंधन से दिल्ली विधानसभा चुनाव में अलग परिणाम आ सकते थे। उन्होंने कहा कि इंडिया ब्लॉक की भावना अभी भी वही है। लेकिन दिल्ली में कुछ गलतियां हुई हैं। अगर आप और कांग्रेस के बीच सही तालमेल होता तो नतीजे कुछ और हो सकते थे. हमें मिलना होगा और इन मुद्दों पर चर्चा करने की जरूरत है।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर के लिए प्रतिबद्ध है।

सम्पादकीय

'आप' का आपदा-काल

सावन में बहुत सी बेल-बूटियां पैदा होती हैं, जिनमें से कई तो विशाल वृक्षों से लिपटती हुई उनसे भी ऊंची उठ कर इतराने लगती हैं, पर सभी जानते हैं कि कार्तिक-माघ माह आते-आते हरित सर्पणियों सरीखी ये लताएं प्राणविहीन होने लगती हैं। कारण ढूंढें तो सामने आता है कि वृक्षों के विपरीत इन लताओं की जड़ें गहरी नहीं होतीं। देश की राजनीतिक सनसनी कहे जाने वाली आम आदमी पार्टी भी लगभग उसी मार्ग पर चलती दिखाई दे रही है, जो दीपावली के राकेट की तरह एकदम उठी और कुछ देर रोशनी बिखेर कर आज उतनी ही गति से नीचे आ रही है। दिल्ली जहां पार्टी का श्रीगणेश हुआ वहां पार्टी को कमरतोड़ पराजय का सामना करना पड़ा है। केवल पार्टी ही चुनाव नहीं हारी बल्कि उन बड़े चेहरों को भी जनता ने घर का रास्ता दिखा दिया है जो पार्टी का चेहरा माने जाते हैं। और तो और पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक अरविन्द केजरीवाल भी हार गए। आप आज आपदाकाल से गुजर रही है यानि कह सकते हैं कि बेल पीली पड़ रही है। लेकिन इस आपदाकाल को आत्मज्ञानकाल बना लिया जाए तो बेल को पूरी तरह झुलसने से बचाया जा सकता है। सबसे बड़ी बात तो यह है कि किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी दल या संगठन को अलोकतांत्रिक पद्धति से नहीं चलाया जा सकता। परन्तु देखने में आता है कि आप में आतंरिक लोकतंत्र का पूरी तरह अभाव है। गठन के पहले दिन से ही श्री केजरीवाल ने पार्टी को आत्मकेन्द्रित करना शुरू कर दिया। पार्टी जन्म से लेकर आज तक केवल वो ही राष्ट्रीय संयोजक के पद पर चले आ रहे हैं। अंदर से उन्हें किसी से चुनौती न मिले इसके लिए उन्होंने सबसे पहले अपने उन साथियों को किनारे करना शुरू कर दिया जो अन्ना आंदोलन में उनके साथ रहे। जनरल वीके सिंह, किरण बेदी, कुमार विश्वास, आशुतोष गुप्ता, योगेन्द्र यादव, प्रशांत भूषण आदि आदि बहुत से लोगों की लम्बी श्रृंखला है जो केजरीवाल के व्यवहार के कारण उनका साथ छोड़ते गए। राष्ट्रीय स्तर पर लोकपाल का वायदा करके आई आप ने अपने आंतरिक लोकपाल सेवानिवृत एडमिरल रामदास के साथ जो व्यवहार किया वह पूरे देश ने देखा। होली-होली आंदोलनकारी दूर हटते गए और सत्ताजीवी लिपटते गए। समय-समय पर वे लोग आप का साथ छोड़ गए जो देश में नई तरह की राजनीति करने एक मंच पर आए थे। केजरीवाल विभव कुमार जैसे उन चापलूसों व संदिग्ध लोगों से घिर गए जो मुख्यमंत्री निवास पर भी पार्टी सांसद स्वाति मालीवाल जैसी वरिष्ठ नेताओं से दुर्व्यवहार करने से नहीं झिझकते। इन 13 वर्षों में केजरीवाल की छवि संयोजक की बजाय पार्टी के मालिक की बन गई और आप लोगों को कांग्रेस, राष्ट्रीय जनता दल, सपा, बसपा, तृणमूल कांग्रेस सरीखी कुनबावादी पार्टी लगने लगी। अगर मालिकाना हक वाली सोच न होती तो क्या कभी केजरीवाल अपनी ही पार्टी की मुख्यमंत्री आतिशी को टेम्परेरी सीएम कहने का दुस्साहस करते? अपने पद से इस्तीफा देने के बाद आतिशी को मुख्यमंत्री बना कर केजरीवाल ने उन्हें जो अस्थाई मुख्यमंत्री कहा वह अपने आप में अति अशोभनीय था जिसका बहुत गलत संदेश गया। दूसरी ओर अपने जन्म के 13 साल बाद भी आप अपना वैचारिक आधार नहीं बना पाई। स. मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार पर लगे आरोपों के चलते देश में भ्रष्टाचार के खिलाफ जनाक्रोश पनपा हुआ था और इसी का लाभ उठा कर आम आदमी पार्टी अस्तित्व में आई परन्तु अपनी किशोर अवस्था आने से पहले ही नई नवेली पार्टी इन्हीं आरोपों में घिर गई। पुलवामा में आतंकी हमला हो या भारतीय सेना की पाकिस्तान के खिलाफ कोई कार्रवाई केजरीवाल व उनकी पार्टी कभी भी देश के साथ खड़े दिखाई नहीं दिए। पार्टी में वैचारिक भटकाव इतना कि कभी तो लेफ्ट चलते दिखी तो कभी राइट, कभी उलटी तो कभी सीधी। केन्द्र से टकराव और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का अन्धविरोध पार्टी की एकमात्र विचारधारा बन गई। इसके लिए झूठ-फरेब, षड्यंत्र-अफवाहें, नाटक-नौटंकी सबकुछ आजमाया गया।

जयंती

सरोजिनी नायडू

जन्म-13 फरवरी, 1879, हैदराबाद; मृत्यु-2 मार्च, 1949, इलाहाबाद) सुप्रसिद्ध कवयित्री और भारत देश के सर्वोत्तम राष्ट्रीय नेताओं में से एक थीं। वह भारत के स्वाधीनता संग्राम में सदैव आगे रहीं। उनके संगी साथी उनसे शक्ति, साहस और ऊर्जा पाते थे। युवा शक्ति को उनसे आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलती थी। बचपन से ही कुशाग्र-बुद्धि होने के कारण उन्होंने 13 वर्ष की आयु में लेडी ऑफ दी लेक नामक कविता रची। वे 1895 में उच्च शिक्षा प्राप्त करने के लिए इंग्लैंड गईं और पढ़ाई के साथ-साथ कविताएँ भी लिखती रहीं। गोल्डन थ्रैशोल्ड उनका पहला कविता संग्रह था। उनके दूसरे तथा तीसरे कविता संग्रह बर्ड ऑफ टाइम तथा ब्रोकन विंग ने उन्हें एक सुप्रसिद्ध कवयित्री बना दिया।

'श्रम करते हैं हम, कि समुद्र हो तुम्हारी जागृति का क्षण
हो चुका जागरण, अब देखो, निकला दिन कितना उज्ज्वल।'

पुण्यतिथि

राजेन्द्र कुमार पचौरी

जन्म-20 अगस्त, 1940, नैनीताल, उत्तराखण्ड; मृत्यु-13 फरवरी, 2020, नई दिल्ली) अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चर्चित प्रसिद्ध पर्यावरणविद थे। उन्हें अमेरिकी उपराष्ट्रपति अल्बर्ट ऑर्नल्ड (अल) गोर गुनियर के साथ संयुक्त रूप से 2007 का 'नोबेल शांति पुरस्कार' मिला था। उल्लेखनीय है कि जहाँ अल गोर को यह पुरस्कार पर्यावरण संरक्षण-संवर्द्धन हेतु उनके व्यक्तिगत प्रयासों के लिए मिला, वहीं डॉ. राजेन्द्र कुमार पचौरी को यह पुरस्कार व्यक्तिगत रूप से नहीं मिला। अल गोर के साथ संयुक्त रूप से यह पुरस्कार इंटर-गवर्नमेंटल पैनल ऑन क्लाइमेट चेंज (आईपीसीसी) नामक संयुक्त राष्ट्र संघ की संस्था को मिला था। डॉ. पचौरी इस संस्था के अध्यक्ष रहे। लेकिन इससे उनको मिले पुरस्कार का महत्त्व कम नहीं हो जाता। युद्ध में मोर्चे पर तो सिपाही लड़ते हैं, लेकिन जीत का श्रेय व्यूह रचना करने वाले सेनापति को मिलता है, ऐसा ही डॉ. पचौरी के विषय में कहा जा सकता है।

कल मिलेंगे

तेज बारिश में आधी रात को टिंकू पिज्जा लेने गया.
दुकानदार-आप शादीशुदा हो?
टिंकू गुस्से में बोला-ऐसे तूफान में कौन मां अपने बेटे को पिज्जा लेने भेजेगी...?

संजना भारती दैनिक

भगवान शंकर जी के 11वें रुद्रावतार हनुमान जी (मेंहदीपुर, श्री बाला जी) के संरक्षण में संचालित किया जाता है। समाचार पत्र का यह अंक भी उन्हीं के चरणों में श्रद्धापूर्वक समर्पित है।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक-**संजय कुमार** द्वारा आर.डी. प्रिंटर एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-41, सेक्टर-8, नोएडा, उत्तर प्रदेश से मुद्रित तथा ए-281सी, गली नं. 3, ए-ब्लॉक, अम्बिका विहार, शिव विहार, दिल्ली-110094 से प्रकाशित। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत संपादक उत्तरदायी।
RNI No. : DELHIN/2016/70240
Phone No.: 9871221635
E-mail ID: sanjanabharati16@gmail.com
(किसी भी वाद-विवाद में न्याय क्षेत्र दिल्ली ही होगा।)

मिल्कीपुर विजय से भाजपा को राहत व सपा की राह कठिन

मिल्कीपुर सीट पर भाजपा को तीसरी बार जीत मिली है। इससे पहले 1991 और 2017 में जीत मिली और अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने सपा के गढ़ में भगवा परचम लहराने में सफलता हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का गठन 1967 में हुआ था और 1969 में तत्कालीन जनसंघ हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया

-मृत्युंजय दीक्षित

जून 2024 के लोकसभा चुनाव परिणामों के बाद सबसे अधिक चर्चा फैजाबाद संसदीय क्षेत्र में भाजपा की पराजय की हुई, जहाँ श्री रामजन्मभूमि पर दिव्य, भव्य राम मंदिर का हिन्दू समाज का 500 वर्ष पुराना सपना पूरा होने के बाद भी भारतीय जनता पार्टी को हार का मुंह देखना पड़ा। फैजाबाद जीत से विपक्ष का आत्मविश्वास इतना बढ़ गया कि इसके बाद हुई अपनी गुजरात रैली में कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने, भाजपा के राजनीति से विश्राम ले चुके वरिष्ठ नेता लालकृष्ण आडवाणी जी के राम मंदिर आंदोलन को ही हरा देने का दंभ भरा। लोकसभा में सपा सांसद अवधेश प्रसाद की तो मानो प्रदर्शनी लगा दी गई बड़बोले नेताओं ने उनको अयोध्या का रजा तक कह दिया।

फैजाबाद संसदीय सीट की हार और अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहे जाने से सनातन समाज में दुःख, निराशा और क्षोभ था। मिल्कीपुर को सनातनी हिन्दुओं ने अपनी प्रतिष्ठा का प्रश्न बना लिया था क्योंकि सनातनधर्मी प्रभु राम को ही अयोध्या का एकमात्र राजा मानते हैं । यहां पर यह बात ध्यान देने योग्य है कि जब से सपा मुखिया और कांग्रेस ने अवधेश प्रसाद को अयोध्या का राजा कहना आरम्भ किया तभी से इनकी राजनीति गड़बड़ाने लगी।अब तक प्रदेश में 11 विधानसभा उपचुनाव हो चुके हैं जिसमें भाजपा को आठ सीटों पर सफलता मिली है और प्रदेश में सपा और कांग्रेस गठबंधन भी बिखर रहा है।

राजनैतिक दल के रूप में भाजपा ने मिल्कीपुर चुनाव जीतने के लिए बेहद आक्रामक रणनीति तैयार की और स्वयं मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कई बार मिल्कीपुर का दौरा किया। जब योगी जी मिल्कीपुर जाते थे तब सपा सांसद का बयान आता था कि योगी जी जितनी बार मिल्कीपुर आयेंगे भाजपा का वोट प्रतिशत उतना ही घटेगा और सपा का उतना ही वोट प्रतिशत बढ़ता जायेगा जबकि परिणाम उसके विपरीत आये हैं। मिल्कीपुर की जनता के बता दिया है कि अयोध्या के एकमात्र राजा प्रभु राम ही है।

मिल्कीपुर की जनता ने विपक्ष के नकारात्मक विचारों के एजेंडे को नकारते हुए विकास और सुशासन का साथ दिया। मिल्कीपर की जनता को अच्छी तरह से समझ में आ गया कि स्थानीय विकास के लिए सत्तारूढ़ भाजपा का विधायक ही आवश्यक है। मिल्कीपुर की जनता ने सपा के परिवारवाद और जातिवाद को नकार दिया है। परिणाम से यह भी साफ हो गया है कि योगी का बटेंगे तो कटेंगे का नारा जातिवाद के विरुद्ध हिंदुत्व की राजनीति को ताकत दे रहा है। इस विजय से भाजपा के लिए एकजुट हिंदुत्व की राजनीति के पथ पर आगे बढ़ना आसान हो गया है।

मिल्कीपुर सीट पर भाजपा को तीसरी बार जीत मिली है। इससे पहले 1991 और 2017 में जीत मिली और अब 2025 में चंद्रभानु पासवान ने सपा के गढ़ में भगवा परचम लहराने में सफलता हासिल की है। मिल्कीपुर सीट का गठन 1967 में हुआ था और 1969 में तत्कालीन जनसंघ हरिनाथ तिवारी विधायक चुने गये थे। इसके बाद 1974 से 1989 तक यह विधानसभा क्षेत्र कांग्रेस और कम्युनिस्ट पार्टी का अभेद्य किला बन गया। 1991 में राम लहर में मथुरा प्रसाद तिवारी ने भाजपा से जीत दर्ज की फिर 2012 तक यहां पर भाजपा को हार का सामना करना पड़ा। इसके बाद 2017 में मोदी लहर में भाजपा के बाबा गोरखनाथ विजयी रहे। यह अलग बात है कि इसके बाद 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा के अवधेश प्रसाद ने बाबा को पराजित किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में सपा ने अवधेश प्रसाद को अपना उम्मीदवाबर बनाया था और वह जीत गये। तभी से भाजपा पर लगातार दबाव बनता जा रहा था कि किसी न सिकी प्रकार से यह सीट हर हाल में जीतकर दिखानी है और योगी जी की टीम ने यह काम कर दिखाया है।

मिल्कीपुर चुनाव से पूर्व प्रयागराज महाकुम्भ-2025 में योगी कैबिनेट ने एक साथ गंगा में पवित्र डुबकी लगाकर मीडिया जगत और जनमानस में इस बात का संदेह पूरी तरह से दूर कर दिया कि योगी कैबिनेट व भाजपा में आपस में कोई मतभेद व मनभेद है। मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव में भाजपा भदरसा दुष्कर्म कांड के बहाने सपा पर हमलावर रही।

चुनावों के बीच ही वहां पर एक बालिका के साथ दुष्कर्म के बाद हत्या का एक मामला सामने आया उसके बाद विपक्षी दलों ने भाजपा को घेरने का असफल प्रयास किया। इस घटना को लेकर सभी दलों के नेताओं ने सोशल मीडिया पोस्ट करके राजनीतिक तापमान को गरमाने का असफल प्रयास किया था किंतु आरोपियों के पकड़े जाते ही यह मामला अपने आप गायब हो गया। इस प्रकरण में अवधेश प्रसाद के आंसू भी निकले और खूब निकले यहां तक की मीडिया में बार-बार दिखाया भी गया, मतदान के दिन अवधेश प्रसाद ने एक वीडियो बनवाकर चलवाया जिसमें वह हनुमान चालीसा पढ़ रहे थे, किन्तु ऐसी कोई भी ट्रिक इस चुनाव में नहीं चली। मिल्कीपुर की जनता ने इस बार लोकसभा की गलती को ठीक करने का मन बना लिया था।

मिल्कीपुर में अबकी बार संघ ने भी काम संभाला और मजबूत किलेबंदी के साथ हर बूथ पर संघ के पदाधिकारी मोर्चा पर डटे रहे। इसका असर मतदान के दिन दिखा भी। संघ ने मतदाता को मतदान केंद्र तक पहुंचाने में पर्याप्त श्रम किया। मिल्कीपुर जीत से भाजपा का विश्वास बढ़ा है, योगी जी की प्रतिष्ठा बढ़ी है और उनके नारे की लोकप्रियता भी बढ़ रही है। महाकुंभ- 2025 के समापन के बाद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री येगी आदित्यनाथ जी का एक नया अवतार देखने को मिल सकता है।

हिंदुत्व की राजनीति में काशी, मथुरा के साथ संभल का अध्याय भी जुड़ चुका है।

दो नावों की सवारी में आप हुई धड़ाम!

भाजपा के विरोध के आधार पर सीमित संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ी वामपंथी पार्टियों का वोट भी जोड़ लिया जाए तो, भाजपा के विरुद्ध जनादेश का बल 50 फीसदी से ज्यादा वोट का हो जाता है। बेशक, तिकोने मुकाबले में भाजपा के खिलाफ लड़ते हुए भी, एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का वोट आपस में जोड़े जाने का चुनाव नतीजों के हिसाब से कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है

-राजेंद्र शर्मा

आखिरकार, दिल्ली में वह हो गया, जिसकी बहुतों द्वारा आशंकाएं जताई जा रही थीं। भाजपा सत्तर में से 48 सीटें जीतकर, आई ईस साल के बाद दिल्ली में सत्ता निर्णायक तरीके से वापसी करने का मौका मिल गया। और बारह वर्ष बाद, दिल्ली के चुनाव में जनता का फैसला आम आदमी पार्टी नाम की उस नयी राजनीतिक पार्टी के खिलाफ आया है, जो राजधानी दिल्ली से ही धूमकेतु की तरह उठी थी, जिसका दिल्ली से ही अस्त होने की भविष्यवाणियां सुनाई देने लगी हैं। यह दूसरी बात है कि हालांकि आम आदमी को सिर्फ 22 सीटें मिली हैं और वह भाजपा से पूरे 26 सीटों से पिछड़ गयी है, फिर भी दोनों पार्टियों के वोट में सिर्फ 2 फीसदी का अंतर रहा है। इस चुनाव में भाजपा को जहां 45.56 फीसदी वोट मिले हैं, आम आदमी पार्टी को 43.57 फीसद वोट पर ही संतोष करना पड़ा है। बेशक, यह हमारी 'जो पहले आए, सब ले जाएइ पर आधारित चुनाव प्रणाली की विचित्रता का हिस्सा है कि सिर्फ 2 फीसदी वोट के अंतर से भाजपा, आप से दोगुनी से ज्यादा सीटें पाने में कामयाब रही है।

हैरानी की बात नहीं है कि संघ-भाजपा, इस जीत को लेकर न सिर्फ बड़े-बड़े दावे कर रहे हैं बल्कि इस चुनावी जीत को भाजपा और मोदी राज के पक्ष में दिल्ली की जनता का जोरदार जनादेश साबित करने की भी कोशिश कर रहे हैं। इसके बल पर यह साबित करने की भी कोशिश की जा रही है कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को जो धक्का लगा था, देश की जनता अब अपनी उस भूल का 'सुधार कर रही है, लोकसभा चुनाव के बाद से हरियाणा, महाराष्ट और अब दिल्ली में भाजपा जीते, इसका जीता-जागता सबूत हैं। लेकिन, स्पष्ट जनादेश के ये दावे इस मायने में संदेहास्पद हैं कि न सिर्फ भाजपा को आम आदमी पार्टी के मुकाबले केवल 2 फीसदी वोट की बढ़त हासिल हुई है और भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां मिलकर भी, 47 फीसदी का आंकड़ा नहीं छू पाई हैं, भाजपा और उसके सहयोगियों के घोषित विरोध के मंच के आधार पर चुनाव लड़ रही कांग्रेस को भी इस चुनाव में 6.34 फीसद वोट मिला है और उसका तथा आम आदमी पार्टी का वोट मिलकर ही पचास फीसदी के करीब हो जाता है। भाजपा के विरोध के आधार पर सीमित संख्या में सीटों पर चुनाव लड़ी वामपंथी पार्टियों का वोट भी जोड़ लिया जाए तो, भाजपा के विरुद्ध जनादेश का बल 50 फीसदी से ज्यादा वोट का हो जाता है।

बेशक, तिकोने मुकाबले में भाजपा के खिलाफ लड़ते हुए भी, एक-दूसरे के खिलाफ लड़ रही आम आदमी पार्टी और कांग्रेस का वोट आपस में जोड़े जाने का चुनाव नतीजों के हिसाब से कोई व्यावहारिक अर्थ नहीं है। फिर भी, इस वोट का जोड़कर देखा जाना इसलिए प्रासंगिक है कि जैसा कि करीब दस महीने पहले ही हुए संसदीय चुनाव ने दिखाया था, इन पार्टियों का चुनाव के लिए साथ आना सिर्फ कोरी कल्पना का ही मामला नहीं था, बल्कि एक व्यावहारिक संभावना का मामला था। और जैसा कि देश में जनतंत्र तथा धर्मनिरपेक्षता के मूल्यों की परवाह करने वाली अनेक ताकतों तथा लोगों ने चुनाव से पहले ही आगाह भी किया था, संघ-भाजपा को सत्ता से दूर बनाए रखने के लिए, आम तौर पर तमाम संघ-भाजपा विरोधी ताकतों का और खासतौर पर आप तथा कांग्रेस का साथ आना, जरूरी था। इस आगाही का वजन लोकसभा चुनाव में भाजपा के दिल्ली में सभी सात सीटें एक बार फिर जीतने और पहले हरियाणा तथा उसके बाद महाराष्ट्र में उसका विजयरथ फिर से दौड़ पड़ने के प्रभावों को देखते हुए, और भी ज्यादा बढ़ गया था।

इस सब को देखते हुए, यह बात भी दर्ज करने वाली जरूर है कि आप को 22 सीटों पर जीत मिलने के अलावा कम से कम 13-14 सीटों पर आप और कांग्रेस का संयुक्त वोट, जीत के लिए काफी होता। यानी दोनों पार्टियां मिलकर चुनाव लड़ी होतीं तो, इसी गणित में भी चुनाव का नतीजा बदल सकता था। जाहिर है कि साथ मिलकर चुनाव लड़ने से जो राजनीतिक-चुनावी प्रभाव पड़ा होता, इस गणित को संघ-भाजपा के खिलाफ ही झुका सकता था। वास्तव में पिछले लोकसभा चुनाव में ही इसका भी सबूत मिल गया था, जब सभी सात सीटें जीतने के बावजूद, भाजपा के मत फीसदी में, 2019 के चुनाव के मुकाबले करीब 3 फीसदी वोट की कमी दर्ज हुई थी। भाजपा के वोट में इस कमी के पीछे एक बड़ा कारक, आप और कांग्रेस का मिलकर चुनाव लड़ना था। इसे देखते हुए, कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि दिल्ली में भाजपा की अट्ठाईस साल बाद सत्ता में वापसी को संभव बनाने में, एक कारण आप और कांग्रेस का, संघ-भाजपा को समान रूप से विरोधी मानते हुए भी, उसके खिलाफ एकजुट नहीं हो पाना था। इंडिया के मंच की इस विफलता की जनतांत्रिक तथा धर्मनिरपेक्ष ताकतों को आने वाले समय में बहुत भारी कीमत चुकानी पड़ेगी। याद रहे कि जनतांत्रिक विपक्षी मंच ने ऐसी ही विफलता का प्रदर्शन इससे पहले मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ व राजस्थान तथा बाद में हरियाणा जैसे राज्यों में भी किया था। इन सबसे पहले गुजरात, गोवा आदि राज्यों में भी जनतांत्रिक विपक्ष का ऐसा ही बिखराव देखने को मिला था। कम से कम इतना तो कहा ही जा सकता है कि आम चुनाव के बाद से इंडिया ब्लाक, राज्यों के स्तर पर इस बिखराव को दूर करने में कोई सुधार नहीं कर पाया है। यहां तक कि इसे देखते हुए मीडिया में अब इंडिया ब्लाक के ही अंत की भविष्यवाणियां भी की जाने लगी हैं।

फिर भी दिल्ली के चुनाव के नतीजों को सिर्फ या मुख्यतः आप और कांग्रेस के गठबंधन न कर पाने का नतीजा नहीं कहा जा सकता है। इसका सीधा सा कारण यह है कि 2015 और 2020 के विधानसभाई चुनावों में आम आदमी पार्टी ने जो झाड़ूमार जीत हासिल की थी, उसके पीछे अकेले उसकी ही पचास फीसदी से ज्यादा वोट की ताकत थी। पिछले विधानसभाई चुनाव में आम आदमी पार्टी को 53.57 फीसदी वोट मिले थे, जबकि भाजपा को 38.51 फीसदी वोट पर ही संतोष करना पड़ा था। लेकिन, ताजातरीन चुनाव में आम आदमी पार्टी का वोट, घटकर 43.57 फीसदी रह गया है यानी पूरे 10 फीसदी से घट गया है, जबकि भाजपा का वोट, करीब 7 फीसदी बढ़कर, 45.46 फीसदी हुआ है। इसी दौरान कांग्रेस का वोट 4.26 फीसदी से बढ़कर 6.34 फीसदी हुआ है यानी आप पार्टी के वोट में हुई गिरावट में से 2 फीसदी से ज्यादा वोट कांग्रेस के हिस्से में भी आया है। आप के वोट में करीब 7 फीसदी छीनने ने ही, इस चुनाव के नतीजे को निर्णायक रूप से भाजपा के पक्ष में झुकाया है।

आप पार्टी के दुर्भाग्य ये, उसके वोट में भाजपा का इतनी ही बड़ी सेंध लगाना, न केवल संभव था बल्कि उसके सारे आधार पहले से मौजूद थे। दिल्ली के हाल के चुनावी इतिहास की जिस विशिष्टद्दता को अनेक टीकाकार बार-बार रेखांकित करते रहे थे, आम आदमी पार्टी के दिल्ली के राजनीतिक मंच पर उभरने के बाद से, मतदाताओं के एक उल्लेखनीय हिस्से का लोकसभा और विधानसभा के चुनावों में स्पष्टद रूप से भिन्न चुनाव करना था। जैसा कि हमने पहले ध्यान दिलाया, 2015 के चुनाव से विधानसभा में दिल्ली के मतदाताओं में आधे से ज्यादा आप पार्टी के पक्ष में मतदान कर, उसकी झाड़ूमार जीत सुनिश्चित करते रहे थे और दूसरी ओर, लोकसभा चुनावों में 2014 से ही आधे से ज्यादा मतदाता इसी प्रकार, भाजपा की झाड़ूमार जीत सुनिश्चित करते आए थे। लेकिन, आप पार्टी के दुर्भाग्य से लोकसभा चुनाव में भाजपा के साथ रहने के बाद, विधानसभा में आप पार्टी का साथ देने वाला यह मतदाता घट रहा था और उसका बढ़ता हुआ हिस्सा विधानसभा चुनाव में भी भाजपा के पक्ष में जा रहा था। 2015 के चुनाव में ऐसा वोट 40 फीसदी माना गया था, जो 2020 के चुनाव तक घटकर 35 फीसदी रह गया था। इस चुनाव में यह हिस्सा और भी घट गया लगता है और दस महीने पहले हुए लोकसभा चुनाव और अब हुए विधानसभा चुनाव के बीच, भाजपा के वोट में गिरावट घटकर 8 फीसदी के करीब ही रह गयी है।

इसे इस प्रकार भी कह सकते हैं कि दिल्ली में आप की शानदार जीत की इमारत, बहुत हद तक संघ-भाजपा के समर्थन आधार पर ही खड़ी थी। कहने की जरूरत नहीं है कि इसे आप आदमी पार्टी के एक ऐसी मूलतः अराजनीतिक राजनीति मध्यवर्गीय परिघटना होने ने ही संभव बनाया था, जिसका अपने जन्म के समय संघ-भाजपा के साथ गहरा साझा रहा था। एक राजनीतिक पार्टी के रूप में दिल्ली में सत्ता में पहुंचने के बाद भी आप पार्टी ने सचेत रूप से अपनी अराजनीतिक-राजनीति की इस छवि को ही नहीं बनाए रखा था, संघ-भाजपा की हिंदुत्ववादी राजनीति के साथ बुनियादी सहानुभूति का अपना रिश्ता भी बनाए रखा था। बहुसंख्यक सांप्रदायिकता और जातिवादी दमन, इन दोनों के तमाम पहलुओं पर और इसी प्रकार, आर्थिक नीति के अनेकानेक पहलुओं पर भी आप ने, ऐसा रुख अपनाए रखा था, जो संसदीय चुनाव में मोदी को चुनने वालों को, विधानसभा में आप को चुनने से रोकता नहीं था।

हैरानी की बात नहीं है कि दिल्ली में संघ-भाजपा के बढ़ते दबाव के सामने आप ने, मौन स्वीकृति की ओट लेने के बजाए, हिंदुत्व के अपने ही प्रारूप से लेकर, सवर्णत्व के अपने ही प्रारूप तक को सक्रिय रूप से आगे बढ़ाने का रास्ता अपनाया था। जम्मू-कश्मीर में धारा-370 के खत्म किए जाने के लिए समर्थन से लेकर, इस चुनाव के बीच आप के उम्मीदवारों के विहिप के त्रिशूल वितरण कार्यक्रम में बढ़-चढ़कर शामिल होने तक, इसके बेशुमार उदाहरण मिल जाएंगे। जैसा कि अब साफ हो गया है, इस सबने जिसे आप के अवसरवादी रुख के रूप में प्रायः सभी टिप्पणीकार दर्ज करते आए थे, संघ-भाजपा के आप से अपनी आधारभूमि का हिस्सा छीनने की गति को तेज करने का ही काम किया। हिंदुत्व के समर्थन और भाजपा विरोध की दो नावों में एक साथ सवार होने की कोशिश में आप, बीच नदी में मुंह के बल गिर पड़ी है।

बेशक, आप के अंत की भविष्यवाणियां करने वाले इस अर्थ में गलत हैं कि इस चुनाव में भी आप को, भाजपा से सिर्फ 2 फीसदी वोट कम मिला है। फिर भी, इस हार से आप पार्टी के लिए अस्तित्वगत संकट पैदा हो जाने से इसलिए इंकार नहीं किया जा सकता है कि यहां से आगे आप को एक जनतांत्रिक, धर्मनिरपेक्ष राजनीति के संदर्भ में खुद को स्पष्ट रूप से पुनर्परिभाषित करने की चुनौती स्वीकार करनी ही पड़ेगी। वर्ना अब भी संघ-भाजपा के आधार पर अमरबेल बनकर फूलते रहने की कोशिश करेगी, तो आगे और भी तेजी से सूखती जाएगी।

(लेखक साप्ताहिक पत्रिका लोक लहर के संपादक हैं।)

खेल/विदेश/कारोबार/फिल्म

नेतन्याहू ने गाजा में फिर से युद्ध शुरू करने की दी धमकी

(एजेन्सी)।

यरूशलम। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा में युद्ध विराम समझौते से पीछे हटने की धमकी दी और सैनिकों को निर्देश दिया कि अगर आतंकवादी समूह शनिवार को और अधिक बंधकों को रिहा नहीं करता है तो वे हमास के खिलाफ लड़ाई फिर से शुरू करने के लिए तैयार रहें। हमास ने सोमवार के अपने आरोपों को दोहराते हुये कहा कि इजराइल युद्ध विराम की शर्तों को पूरा करने में विफल रहा है, तथा उसकी योजना तीन और बंधकों की रिहाई में देरी करने की है।

इसने आरोप लगाया था कि इजराइल गाजा में स्वीकृत संख्या में टेंट लगाने एवं अन्य सहायता मुहैया कराने की अनुमति नहीं दे रहा है। बढ़ते तनाव के बीच, अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को इजराइल से और अधिक बंधकों की रिहा करने की अपील की थी। ट्रंप ने मंगलवार को व्हाइट हाउस में जॉर्डन के शाह अब्दुल्ला द्वितीय से मुलाकात के बाद आशंका जतायी थी कि उनकी मांग के अनुसार हमास शेष सभी बंधकों को रिहा नहीं करेगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ने हमास के बारे में कहा, मुझे नहीं लगता कि वे समय-सीमा के भीतर कार्रवाई कर पायेंगे। वे सख्त रवैया अपनाना चाहते हैं। हम देखेंगे कि वे कितने सख्त हैं। युद्ध विराम समझौते के प्रभावी होने के बाद से हमास ने 730 से अधिक फलस्तीनी कैदियों के बदले 21 बंधकों को रिहा किया है।

कलिंगा स्टेडियम में एचपीसी भविष्य के चैंपियन तैयार करने की नींव हैं: खडसे

(एजेन्सी)।

भुवनेश्वर। खेल राज्य मंत्री रक्षा निखिल खडसे ने कलिंगा स्टेडियम में विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचा स्थापित करने के लिए ओडिशा सरकार की सराहना की और कहा कि ऐसी सुविधाएं देश के भविष्य के चैंपियन तैयार करने की नींव रखेंगी। उन्होंने कहा कि ऐसी सुविधाएं भारत को खेल महाशक्ति बनाने के लिए महत्वपूर्ण हैं। खडसे ने ओडिशा की राजधानी की अपनी दो दिवसीय यात्रा के दौरान कहा, कलिंगा स्टेडियम जैसी सुविधाओं के साथ हम भविष्य के चैंपियन तैयार करने की नींव रख रहे हैं जो देश को गौरव दिलाएंगे। ये केंद्र भारत को खेल महाशक्ति बनाने के सरकार के दृष्टिकोण के लिए महत्वपूर्ण हैं। अपनी यात्रा के दौरान खडसे ने कलिंगा स्टेडियम परिसर का दौरा किया जहां उन्होंने राज्य में खिलाड़ियों के विकास के लिए समर्पित तीन हाई परफोर्मेंस केंद्रों (एचपीसी) की कार्यशैली का जायजा लिया। खडसे ने अभिनव बिंद्रा टार्गेटिंग परफोर्मेंस केंद्र (एबीटीपीसी), नवल टाटा हॉकी हाई परफोर्मेंस केंद्र और डालमिया भारत पुलेला गोपीचंद बैडमिंटन अकादमी का दौरा किया।

चीनी एनिमेटेड फिल्म 'ने झा 2' ने रचा इतिहास

(एजेन्सी)।

चीनी एनिमेटेड फिल्म "ने झा 2" के लिए मर्चेंडाइज की बहुत मांग है। चीनी एनिमेटेड फिल्म ने झा 2 ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसा इतिहास रच दिया है, जिसे दूसरी एनिमेटेड फिल्मों के लिए फिर से लिखना मुश्किल होगा। 29 जनवरी को रिलीज होने के बाद यह फिल्म एक बिलियन डॉलर कमाने वाली पहली नॉन-हॉलीवुड फिल्म बन गई। इसके साथ ही इसने चीन की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म का रिकॉर्ड भी तोड़ दिया।

मा यान एंटरटेनमेंट डेटा के मुताबिक, ने झा 2 ने अब तक 1.2 बिलियन डॉलर (करीब 10,000 करोड़ रुपये) का आंकड़ा पार कर लिया है। इस उपलब्धि के बाद फिल्म को चीन की सबसे बड़ी बॉक्स ऑफिस हिट का दर्जा मिल गया। फिल्म समीक्षक रेमंड झोउ के मुताबिक, ने झा 2 एक ऐसी फिल्म है, जिसने हर उम्र के दर्शकों को आकर्षित किया है और सभी को सिनेमाघरों तक खींच कर लाया है। 'ने झा 2' फिल्म 'इन्वेस्टिगेटर ऑफ द गॉड्स' पर आधारित है। यह दो दोस्तों की कहानी है, जिनमें से एक सुपरनैचुरल पावर के साथ पैदा होता है। 'ने झा 2' ने एक बार फिर साबित कर दिया है कि जब कंटेंट अच्छा हो तो कोई भी फिल्म बॉक्स ऑफिस पर सफलता हासिल कर सकती है। यह फिल्म अभी सिर्फ चीन में रिलीज हुई है और वहां यह काफी सफल साबित हो रही है। फिल्म 14 फरवरी को अमेरिका में रिलीज होने जा रही है, जिसके लिए दर्शकों में काफी उत्साह है। फिल्म का अंतरराष्ट्रीय दर्शक भी इसका बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

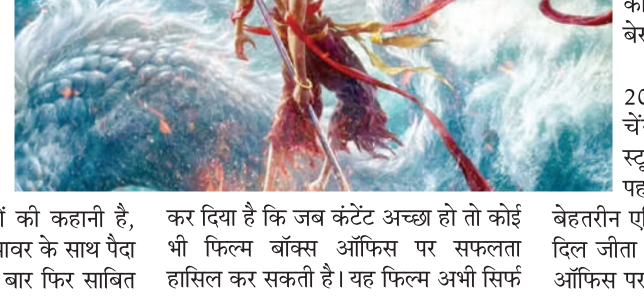

'ने झा 2' का पहला पार्ट 2019 में रिलीज हुआ था, जो चेंगदू कोको कार्टून एनिमेशन स्टूडियो की पहली फिल्म थी। पहले पार्ट ने भी अपनी कहानी और बेहतरीन एनिमेशन की वजह से दर्शकों का दिल जीता था। अब इसका सीक्वल बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रहा है।

यूपीआई ट्रांजेक्शन करने वाले हों जाएं सावधान, 15 फरवरी से बदलने वाले है नियम

(एजेन्सी)।

डिजिटल ट्रांजेक्शन करना इन दिनों काफी आम हो गया है। इन ट्रांजेक्शन के जरिए अब लेनदेन काफी आसान हो गया है। इसी बीच नेशनल पेमेंट्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एनपीसीआई) ने यूपीआई लेनदेन के संबंध में बदलाव पेश किए हैं। प्रस्तावित बदलाव, जो 15 फरवरी से लागू होंगे, चार्जबैक की स्वतः स्वीकृति और अस्वीकृति से संबंधित हैं।

एनपीसीआई ने अब ट्रांजेक्शन क्रेडिट कन्फर्मेशन (टीसीसी) और लाभार्थी बैंक द्वारा चार्जबैक उठाए जाने के बाद अगले निपटान चक्र में उठाए गए रिटर्न के आधार पर चार्जबैक की स्वतः स्वीकृति/अस्वीकृति को लागू करने की प्रक्रिया शुरू की है। लाभार्थी बैंक द्वारा टी.सी.सी. या रिटर्न बढ़ाने का कदम यह निर्धारित करेगा कि चार्जबैक स्वीकार किया जाएगा या अस्वीकार किया जाएगा, जिससे मैनुअल हस्तक्षेप की आवश्यकता समाप्त हो जाएगी। चार्जबैक तब होता है जब यूपीआई द्वारा स्वीकृत माने जाने वाले लेनदेन को जारीकर्ता, अधिग्रहण करने वाले बैंक या एनपीसीआई द्वारा उस बैंक से पहले ही वापस ले लिया जाता है जो राशि प्राप्त कर रहा है। वे अक्सर विवादों को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में समस्याएँ पैदा करते हैं क्योंकि वे अक्सर लाभार्थी बैंक को रिटर्न को सत्यापित करने और संसाधित करने का मौका मिलने से पहले होते हैं। चार्जबैक आमतौर पर निम्नलिखित स्थितियों में से किसी एक में होता है।

ग्राहक भुगतान को पहचान नहीं पाता। ग्राहक संबंधित लेनदेन के बारे में बैंक के साथ विवाद उठाता है। ग्राहक से बिना डिलीवर किए गए आइटम के लिए शुल्क लिया जाता है। लेनदेन प्रसंस्करण में त्रुटि (उदाहरण के लिएः जब एक ही लेनदेन दो बार संसाधित किया जाता है। एक व्यापारी एक ही लेनदेन के लिए डुप्लिकेट शुल्क लगाता है।

गेंदबाजी एक्शन को लेकर आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर कुहनेमन का बायोमीट्रिक टेस्ट

सिडनी (एजेन्सी)। श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला के दौरान अंपायरों द्वारा गेंदबाजी एक्शन की शिकायत किये जाने के बाद आस्ट्रेलिया के बायें हाथ के स्पिनर मैट कुहनेमन की बायोमीट्रिक जांच होगी। आस्ट्रेलियाई मीडिया ने कहा कि कुहनेमन की शिकायत अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद से की गई है और अगर गेंदबाजी एक्शन अवैध पाया जाता है तो उन पर प्रतिबंध लग सकता है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने कहा, श्रीलंका के खिलाफ गॉल में दूसरे टेस्ट के दौरान मैच अधिकारियों द्वारा की गई शिकायत की जानकारी आस्ट्रेलियाई टीम को दी गई है। हम पूरे मामले में मैट का सहयोग करेंगे। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बताया कि कुहनेमन 2017 में पदार्पण के बाद से 124 पेशेवर मैच खेल चुके हैं लेकिन उनके गेंदबाजी एक्शन की कभी शिकायत नहीं हुई। श्रीलंका के खिलाफ दो मैचों में उन्होंने 16 विकेट लिये। उनकी बायोमीट्रिक जांच ब्रिसबेन में होगी।

बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

निर्माण कार्य अंतिम चरण में पहुँचा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/डॉ. संजय

हाजीपुर। वैशाली में ऐतिहासिक अभिषेक पुष्करणी सरोवर एवं पौराणिक मिट्टी स्तूप के निकट 72 एकड़ भूखंड पर भगवान बुद्ध के स्मृति अवशेषों को सुरक्षित एवं आम जनों के दर्शनार्थ बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है।

जिला पदाधिकारी, यशपाल मीणा निर्माण कार्य की प्रगति का निरीक्षण करने वैशाली पहुंचे। वे प्रत्येक बुधवार को बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय सह स्मृति स्तूप के निर्माण कार्य का स्थल निरीक्षण और अनुश्रवण करते हैं। स्तूप का निर्माण कार्य पूरा हो जाने के बाद भगवान बुद्ध के पवित्र अवशेष को यहां रखा जाएगा जो अभी पटना संग्रहालय में रखा हुआ है। भगवान बुद्ध के 483 ईसा पूर्व में कुशीनगर में महापरिनिर्वाण के बाद वैशाली के लिच्छवी राजाओं को पवित्र अवशेष मिला था। वैशाली के अवशेष स्तूप का निर्माण लिच्छिवियों द्वारा वैशाली में पांचवीं शताब्दी ईसा पूर्व में मिट्टी के स्तूप में किया गया था।

केपी जायसवाल शोध संस्थान द्वारा 1958 से 1962 तक की गई पुरातात्विक खुदाई में स्तूप के केंद्र से भगवान बुद्ध का एक पवित्र अवशेष मिला था। इसे 1972 में पटना संग्रहालय लाया गया जहां यह आज भी सुरक्षित है। अब करीब 53 साल बाद भगवान बुद्ध का यह पवित्र अवशेष अपने मूल स्थान वैशाली पहुंचेगा जहां उसे नवनिर्मित बुद्ध स्मृति स्तूप में रखा जाएगा। प्रोजेक्ट मैनेजर ने बताया कि निर्माण के बाद यहां 2000 लोग एक साथ ध्यान कर सकेंगे। इसमें चार द्वार से प्रवेश होगा। परिसर में म्यूजिकल फाउंटेन लगाए जा रहे हैं। फिनिशिंग को अंतिम रूप दिया जा रहा है। इसे मार्च के अंतिम सप्ताह में पूर्ण हो जाने की संभावना है।

जिला पदाधिकारी, यशपाल मीणा ने कहा कि बुद्ध सम्यक दर्शन संग्रहालय-सह-स्मृति स्तूप बन जाने के बाद वैशाली बौद्ध सर्किट और विश्व के पर्यटन मानचित्र पर स्थापित हो जाएगा।

बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना की दसवीं वर्षगांठ मनाई गई

एसबी संवाददाता

साहिबगंज। जिला समाज कल्याण विभाग अंतर्गत समाज कल्याण पदाधिकारी चित्रा यादव के निर्देशानुसार मंथन संस्था, एक्सआईएस एवं चाइल्डलाइन के द्वारा बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ अभियान का दसवीं वर्षगांठ कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय साहिबगंज में बच्चों के बीच कार्यक्रम कर मनाया गया।

कार्यक्रम को नेतृत्व करते हुए बाल संरक्षण पदाधिकारी पूनम कुमारी ने बताया कि 2015 में, भारत सरकार ने देश में लैंगिक भेदभाव और महिला सशक्तिकरण के बारे में चिंताओं को दूर करने के लिए बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ योजना की शुरूआत की गई थी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ की शुरूआत प्रधान मंत्री ने 22 जनवरी 2015 को पानीपत, हरियाणा में की थी। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना से पूरे जीवन-काल में शिशु लिंग अनुपात में कमी को रोकने में मदद मिलती है, महिलाओं के सशक्तीकरण से जुड़े मुद्दों का समाधान होता है, आर्थिक विकास में सुधार स्वास्थ्य एवं पोषण सुधार अगली पीढ़ी की शिक्षा सामाजिक सुधार एवं देश की प्रगति होती।

वहीं उन्होंने बच्चों के बीच जानकारी साझा किया कि अगर रास्ते ट्रेन या किसी अन्य जगहों पर वह खुद को सुरक्षित महसूस नहीं कर रहे हैं तो वह चाइल्ड हेल्पलाइन नंबर 1098, बाल संरक्षण पदाधिकारी, बाल कल्याण समिति या नजदीकी पुलिस को सूचना दे सकते हैं जीसके बाद उन्हें हर संभव मदद की जाएगी। वही मंथन संस्था के समन्वयक अमन वर्मा ने बताया कि बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का मुख्य उद्देश्य है कि बालिकाओं के बीच सशक्तिकरण लाना उन्हें मजबूत बनाना जिससे वह आगे चलकर किसी भी समस्याओं से लड़ सके और खुद को एक अच्छे मुकाम हासिल कर सके।

वही कार्यक्रम को आगे बढ़ते हुए स्कूल में मौजूद प्रोजेक्टर से बच्चों के बीच बाल विवाह, बाल शोषण, बाल तस्करी एवं पोक्सो एक्ट से संबंधित कई सारी वीडियो भी दिखाए गए और एक्ट से संबंधित जानकारियां दी गई, कार्यक्रम के अंत में बच्चों के बीच शपथ ग्रहण करवाया गया एवं 5 फलदाई वृक्ष रोपण भी किया गया।

मौके पर सुभाजित चंद्र, रूबी कुमारी, वसीम रजा, अवधेश कुमार, महताब अंसारी, संजीव कुमार आदि मौजूद रहे।

जे.सी. महिला महाविद्यालय में पर्यावरण संरक्षण पर कार्यशाला का आयोजन

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। जीवन चानन महिला महाविद्यालय में आयोजित सात दिवसीय एन.एस.एस. कैम्प के दूसरे दिन का आयोजन बहुत ही उत्साहपूर्ण रहा। सुबह का आरंभ उत्साही एन.एस.एस. स्वयंसेविकाओं ने योगाभ्यास से किया।

इसके बाद सभी स्वयंसेविकाओं ने एन.एस. एस. गीत गाकर अपने दिन की शुरूआत की। जिससे वातावरण में उत्साह और ऊर्जा का संचार हुआ। इसके बाद कार्यक्रम अधिकारी मनीषा फोगाट ने इस सात दिवसीय शिविर के दूसरे दिन की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों के बारे में स्वयंसेविकाओं को बताया जिसके बाद पर्यावरण संरक्षण पर एक महत्वपूर्ण कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें प्राध्यापिका निधि ने स्वयंसेविकाओं को पर्यावरण की रक्षा के महत्व और इस दिशा में किए जाने वाले उपायों के बारे में विस्तार से बताया। इसके बाद, समाजिक मुद्दों पर एक प्रेरणादायक सेमिनार हुआ। जिसमें एडवोकेट मंजू राणा ने समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं और उनके समाधान के बारे में चर्चा की। उन्होंने स्वयंसेविकाओं को जागरूक किया कि वे किस प्रकार समाज में बदलाव ला सकते हैं और समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभा सकते हैं।

इस कार्यशाला के बाद एक आत्मनिर्भर भारत प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें स्वयंसेविकाओं ने अपने विचारों और रचनात्मकता का प्रदर्शन किया। इसके बाद, स्वयंसेविकाओं द्वारा 'प्लास्टिक मुक्त हरियाणा' अभियान के तहत महाविद्यालय की एन.एस.एस इकाई द्वारा सहयोगित इंदिरा कॉलोनी में एक रैली निकाली गई। रैली में स्वयंसेविकाओं ने पर्यावरण को बचाने के उद्देश्य से प्लास्टिक का उपयोग न करने की शपथ ली और लोगों को जागरूक किया।

इन कार्यों के साथ इस तरह कैम्प के दूसरे दिन का समापन हुआ। इस अवसर पर सभी एन. एस.एस सहयोग समिति के सदस्य दीप्ति दुआ, अदिति शर्मा, स्वर्णजीत कौर, निधि, किरण तनेजा, मीनाक्षी, डॉ. हेमलता शर्मा, डॉ. सिमरतपाल सहित अन्य स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे।

केरल के वायनाड जिले में जंगली हाथी के हमले से एक युवक की मौत

(एजेन्सी)।

केरल। केरल के इस पहाड़ी जिले में एक जंगली हाथी के संदिग्ध हमले में 27 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत हो गई है। पुलिस ने बुधवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि मेप्पाडी पुलिस थाना की सीमा के अंतर्गत अट्टामाला के एक आदिवासी बस्ती की यह घटना बताई जा रही है। पुलिस ने बताया कि पीड़ित की पहचान आदिवासी समुदाय के सदस्य बालकृष्णन के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि यह घटना मंगलवार रात को हुई और उसका शव बुधवार को मिला। पुलिस और वन विभाग के अधिकारी इलाके में पहुंच कर मामले की जांच कर रहे हैं। स्थानीय निवासियों के अनुसार, इस जिले में केरल-तमिलनाडु सीमा पर नूलपुझा गांव के एक जंगल के किनारे के इलाके में जंगली हाथी के हमले में 45 वर्षीय एक व्यक्ति की मौत के एक दिन बाद यह घटना सामने आई है।

कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह ने संगम में लगाई डुबकी

(एजेन्सी)।

प्रयागराज। कांग्रेस सांसद दिग्विजय सिंह उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में महाकुंभ 2025 क्षेत्र में पहुंचे हैं। उन्होंने कहा कि मैं पिछले तीन महाकुंभों में पवित्र स्नान के लिए आता रहा हूं। मेरे लिए यह राजनीति का नहीं बल्कि भक्ति का विषय है। अगर हर सड़क पर पार्किंग की जगह बना दी जाए तो ट्रैफिक जाम नहीं होगा। उन्होंने कहा कि हम यहां वीआईपी के तौर पर नहीं बल्कि आम आदमी के तौर पर आए हैं। मैं सभी की शांति और समृद्धि के लिए प्रार्थना करता हूं।

बाद में दिग्विजय सिंह ने एक्स पर लिखा कि आज माघ पूर्णिमा के अवसर पर प्रयागराज महाकुम्भ में त्रिवेणी संगम में स्नान करने और अर्घ्य देने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। मैंने इस अवसर पर माँ गंगा से देश-प्रदेश की खुशहाली की कामना की। उनके बेटे विधायक जयवर्धन सिंह ने लिखा कि आज प्रयागराज में मेरे पिता दिग्विजय सिंह जी के साथ महाकुंभ माघ पूर्णिमा के पावन दिन पर त्रिवेणी संगम में स्नान करने का सौभाग्य प्राप्त हुआ। माँ गंगा यमुना सरस्वती, सूर्यदेव भगवान, हमारे पितरों व देवी देवताओं का आशीर्वाद और असीम कृपा सदैव बनी रहे।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज माघी पूर्णिमा के अवसर पर करोड़ों लोग प्रयागराज महाकुंभ में डुबकी लगा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह नया उत्तर प्रदेश है, जिसकी आबादी 25 करोड़ है और कल तक 50 करोड़ लोग प्रयागराज में आस्था की डुबकी लगा चुके हैं। लेकिन कुछ लोगों को चोरी-छिपे ऐसा करने की आदत होती है, उन्होंने कोरोना वायरस की वैक्सीन तो लगवा ली लेकिन दुनिया से कहते रहे कि वैक्सीन न लगवाएं। बिना नाम लिए अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहा कि उन्होंने चोरी-छिपे संगम में डुबकी लगाई और वापस आ गए लेकिन जनता से कह रहे हैं कि डुबकी न लगाएं। जब उन्हें मौका मिला तो उन्होंने कुछ नहीं किया।

पत्नी की सहमति के बिना उसके साथ अप्राकृतिक यौन संबंध बनाना अपराध नहीं : उच्च न्यायालय

(एजेन्सी)।

छत्तीसगढ़। अपनी वयस्क पत्नी के साथ उसकी सहमति के बिना भी पुरुष द्वारा अप्राकृतिक यौन संबंध बनाना अपराध नहीं माना जा सकता, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने जगदलपुर निवासी को बलात्कार और अन्य आरोपों से बरी करते हुए यह टिप्पणी की। छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने कहा कि पति द्वारा अपनी पत्नी के साथ उसकी सहमति के बगैर किसी भी तरह के यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। उच्च न्यायालय की एकल पीठ ने सोमवार को एक आदेश में यह टिप्पणी की और आरोपी पति को भारतीय दंड संहिता की तीनों धाराओं 304, 376 और 377 के तहत लगे सभी आरोपों से बरी कर दिया है तथा उसे तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया। इस मामले में अदालत ने पिछले साल 19 नवंबर को फैसला सुरक्षित रख लिया था और सोमवार (10 फरवरी) को फैसला सुनाया।

उच्च न्यायालय से मिली जानकारी के अनुसार बस्तर (जगदलपुर) के निवासी याचिकाकर्ता पति ने अपनी पत्नी के साथ 11 दिसंबर 2017 की रात को उसकी सहमति के बगैर अप्राकृतिक संबंध बनाए थे। पति पर आरोप लगाया कि इस कृत्य के कारण पीड़िता को अस पीड़ा हुई और बाद में इलाज के दौरान अस्पताल में उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर पति को गिरफ्तार कर लिया। जब मामले की सुनवाई अधीनस्थ अदालत में हुई तब अदालत ने आईपीसी की धारा 377 (अप्राकृतिक यौन कृत्य) 376 (दुष्कर्म) और 304 (गैर इरादतन हत्या) के तहत पति को दोषी ठहराया और उसे 10 साल कारावास की सजा सुनाई।

अदालत के इस फैसले के बाद पति ने उच्च न्यायालय में अपील दायर की। मामले की सुनवाई के बाद उच्च न्यायालय ने माना कि अगर पत्नी की आयु 15 वर्ष से कम नहीं है तो पति द्वारा किसी भी यौन संबंध या यौन कृत्य को दुष्कर्म नहीं कहा जा सकता। न्यायालय ने यह भी माना कि इन परिस्थितियों में पत्नी की सहमति स्वमेव महत्वहीन हो जाती है, इसलिए अपीलकर्ता पति के खिलाफ आईपीसी की धारा 376 और 377 के तहत अपराध नहीं बनता। इसी प्रकार आईपीसी की धारा 304 के तहत भी अधीनस्थ अदालत ने कोई विशेष निष्कर्ष दर्ज नहीं किया है। उच्च न्यायालय के फैसले में याचिकाकर्ता पति को सभी आरोपों से बरी कर दिया गया है तथा उसे तत्काल जेल से रिहा करने का आदेश दिया गया है।

पश्चिम बंगाल 2025 का बजट युवा विरोधी : शुभेंदु अधिकारी

(एजेन्सी)।

पश्चिम बंगाल। पश्चिम बंगाल विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता शुभेंदु अधिकारी ने पश्चिम बंगाल बजट 2025 पर कहा कि यह पूरी तरह से उद्योग विरोधी, जनविरोधी और युवा विरोधी बजट है। बंगाल में 2 करोड़ से अधिक युवा बेरोजगार हैं लेकिन (बजट में) रोजगार की कोई घोषणा नहीं। यह इस सरकार (टीएमसी) का आखिरी बजट है और अगले साल भाजपा का बजट पेश होगा। 20 साल बाद ओडिशा और 27 साल बाद दिल्ली में जय जगन्नाथ हो गया है। अब बंगाल की बारी है। राज्य बजट के बाद प्रेस वार्ता में ममता बनर्जी ने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार बंगाल की वैध बकाया रकम जारी नहीं कर रही है। पश्चिम बंगाल के 2025-26 के बजट में एक अप्रैल, 2025 से राज्य सरकार के कर्मचारियों के लिए महंगाई भत्ते में चार प्रतिशत की वृद्धि की घोषणा। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने विधानसभा में 2025-26 के लिए 3.89 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया। पश्चिम बंगाल की वित्त मंत्री चंद्रिमा भट्टाचार्य ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए 3.89 लाख करोड़ रुपये का बजट बुधवार को पेश किया। इसमें सामाजिक कल्याण, ग्रामीण विकास और बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है। सरकार ने अपने बजट में बुनियादी ढांचे तथा कृषि विकास परियोजनाओं की घोषणा की, जिसमें ग्रामीण संपर्क, नदी कटाव नियंत्रण तथा कृषि सहायता पहलों के लिए विशेष धनराशि आवंटित की गई है।

आवश्यक सूचना

तेजी से बढते राष्ट्रीय हिंदी दैनिक समाचार पत्र, **'संजना भारती'** को चंडीगढ़, पंचकुला सहित पूरा हरियाणा, पंजाब में जिला स्तर, तहसील स्तर, खंड स्तर पर पत्रकार/कोर्सपोंडेट/ प्रतिनिधि, जिला प्रभारी की जरूरत है।

संपर्क करें: दैनिक संजना भारती, समाचार पत्र नई दिल्ली

वाटसेप नम्बर: 9871221635

बनारस बार में साइबर अपराध पर संगोष्ठी का हुआ आयोजन

एसबी संवाददाता

वाराणसी। बुद्धवार को बनारस बार एसोसिएशन में साइबर अपराध से कैसे बचा जाए संगोष्ठी का आयोजन हुआ। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के साइबर एक्सपर्ट आलोक कुमार ने स्टाक मार्केट में निवेश करने पर फ्राड से कैसे बचा जाए विषय पर अधिवक्ताओं को नये नये टिप्स दिए साथ ही साइबर अपराध कानून में जो नया संशोधन हुआ है उस पर भी जागरूक किया।

साइबर अपराध संगोष्ठी में प्रेम प्रकाश सिंह गौतम, आशीष कुमार, उत्कर्ष कुमार, अजीत कुमार आदि विद्वानों ने साइबर अपराध से बचाव पर अपने विचार रखे। संगोष्ठी की अध्यक्षता बनारस बार के अध्यक्ष सतीश तिवारी ने किया तथा संचालन महामंत्री शशांक श्रीवास्तव ने किया। इस

अवसर पर बार कौंसिल उत्तर प्रदेश के सदस्य विनोद पांडेय, सतीश यादव, विधु प्रकाश पाण्डेय, नित्यानंद राय, गौतम कुमार झा सहित सैकड़ों अधिवक्ता उपस्थित थे।

बसंत पंचमी महोत्सव में नटपा की प्रशिक्षु नृत्यांगनाओं ने अपने बेहतरीन नृत्य की प्रस्तुति से किया मंत्रमुग्ध

संजना भारती संवाददाता

सीवान। सीवान में बुधवार को कला संस्कृति एवं युवा विभाग और सीवान जिला प्रशासन के संयुक्त तत्वावधान में अंबेडकर भवन में आयोजित बसंतपंचमी महोत्सव में जिले की नृत्य और संगीत कला को समर्पित प्रसिद्ध संस्था नृत्योदय द परफॉर्मिंग आर्ट्स (नटपा) की प्रशिक्षु नृत्यांगनाओं ने नृत्य की विभिन्न शैलियों की प्रस्तुति देकर कार्यक्रम में मौजूद अधिकारियों समेत दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

कार्यक्रम की जिला पदाधिकारी मुकुल कुमार गुप्ता द्वारा द्वीप प्रज्जवलित कर उद्घाटन किए जाने के बाद नटपा की ओर से खुशबू कुमारी, श्रेया द्विवेदी, श्रुति उर्फ कुमारी, अंजली कुमारी और संचिका कुमारी ने सरस्वती वंदना पर समूह नृत्य की प्रस्तुति दी। वहीं बाद में ब्रज में होली पर आधारित नृत्य में खुशबू कुमारी, श्रेया द्विवेदी, श्रुति कुमारी, अंजली कुमारी और श्रेया तिवारी ने होली गीत की प्रस्तुति देकर लोगों की जमकर वाहवाही बटोरी। बता दें कि होली गीत में श्रेया तिवारी ने कृष्ण और सरस्वती वंदना में संचिका कुमारी ने मां सरस्वती की जीवंत भूमिका अदा कर लोगों को तालियां बजाने पर मजबूर कर दिया।

वहीं कार्यक्रम की बेहतरीन प्रस्तुति के लिए उप विकास आयुक्त ने नटपा को मोमेंटो प्रदान किया जिसे नटपा के प्रबंध निदेशक अभिषेक श्रीवास्तव की पत्नी और संगीत शिक्षिका श्वेता कुमारी ने प्राप्त किया।

खानपुर पुलिस ने थाना कांड संख्या-03/2025 के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त को किया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने गिरफ्तार अभियुक्त को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर पुलिस ने बीती रात पुलिस फोर्स के साथ गुप्त सूचना के आधार पर ग्राम सिरोपट्टी में छापामारी कर खानपुर थाना कांड संख्या-03/2025 में फरार चल रहे नामजद प्राथमिकी अभियुक्त शीला देवी पति बबलू महतो को महिला पुलिस के उपस्थिति में गिरफ्तार कर थाना लाया गया। वही बताते

चले कि गिरफ्तार महिला अभियुक्त के बारे में पूछने पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताया कि खानपुर थाना कांड संख्या-03/2025 के नामजद प्राथमिकी अभियुक्त शीला देवी पति बबलू महतो ग्राम सिरोपट्टी थाना खानपुर ने घर छोड़ कर फरार चल रहा था। जिसे बीती रात गुप्त सूचना के आधार पर पुलिस फोर्स व महिला फोर्स के सहयोग से छापामारी कर घर से ही गिरफ्तार कर थाना लाया गया। तथा गिरफ्तारी कागजात तैयार कर गिरफ्तार नामजद प्राथमिकी अभियुक्त शीला देवी को पुलिस पदाधिकारी व महिला फोर्स के उचित अभिरक्षा में सरकारी वाहन से उपस्थापन हेतु माननीय न्यायालय समस्तीपुर भेजा गया है।

खानपुर पुलिस ने श्रीपुरगाहर चौक के पास वाहन चेकिंग के दौरान शराब के साथ एक को किया गिरफ्तार

थानाध्यक्ष ने गिरफ्तार शराब कारोबारी को भेजा जेल

संजना भारती संवाददाता
अर्जुन कुमार झा

समस्तीपुर। खानपुर पुलिस ने पुलिस फोर्स के साथ थाना क्षेत्र के ग्राम श्रीपुरगाहर चौक स्थित वाहन चेकिंग के क्रम में 5 लीटर देशी चुलाई शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार करने में सफलता मिली है। गिरफ्तार शराब कारोबारी सहित बरामद 5 लीटर देशी चुलाई शराब को जप्त कर थाना लाये। तथा थाना परिसर में गिरफ्तार शराब कारोबारी से गहन पूछ ताछ किया। पूछताछ के क्रम में गिरफ्तार शराब कारोबारी ने लुका छिपी से शराब बेचने की बात स्वीकार किया है।

वही पूछताछ के दौरान गिरफ्तार शराब कारोबारी ने अपना नाम (1) शत्रुध्न पासवान पिता बलदेव पासवान

ग्राम-श्रीपुरगाहर चौक थाना खानपुर जिला समस्तीपुर बताया।

वही देशी चुलाई शराब के साथ गिरफ्तार शराब कारोबारी संबंध में पूछने पर थानाध्यक्ष मनोज कुमार सिंह ने बताई कि गुप्त सूचना मिल रही थी कि श्रीपुरगाहर चौक के स्थित अगल बगल के में देसी शराब की बिक्री धड़ल्ले से की जा रही है।

सूचना मिलने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए रात्रि गस्ती दल के पुलिस पदाधिकारी ने पुलिस फोर्स के साथ श्रीपुरगाहर चौक के पास वाहन चेकिंग कराया गया।

वाहन चेकिंग के क्रम में गलगल चौक जाने वाली रास्ते से 5 लीटर देसी चुलाई शराब के साथ एक शराब कारोबारी को गिरफ्तार करने में सफलता रहा। जिसे उत्पाद एंव मद्य निषेद्य अधिनियम के तहत गिरफ्तार दो शराब कारोबारी (1) शत्रुध्न पासवान के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

असंध नगर पालिका के चेयरमैन पद के उपचुनाव में कांग्रेस की उम्मीदवार हैं सोनिया बोहत: शमशेर सिंह गोगी

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। नगरपालिका असंध चेयरमैन पद के उपचुनाव में कांग्रेस पार्टी ने एडवोकेट सोनिया बोहत को उम्मीदवार घोषित किया है। बुधवार को पूर्व विधायक शमशेर सिंह गोगी ने सोनिया बोहत के बतौर कांग्रेस उम्मीदवार होने की घोषणा की। शमशेर सिंह गोगी ने कहा कि पार्टी को असंध में सिंबल पर चुनाव लड़ना चाहिए। इसका फैसला पार्टी करेगी। लेकिन चुनाव निशान पर हो या बिना निशान के होगा, कांग्रेस पार्टी की उम्मीदवार सोनिया बोहत ही होंगी। गोगी ने कहा कि कांग्रेस पार्टी पूरी मजबूती के साथ चुनाव लड़ेगी। गोगी ने कहा कि विधानसभा चुनाव में भी असंध शहर ने कांग्रेस पार्टी को जिताया, अब भी कांग्रेस को जिताएगा। उन्होंने

कहा कि आज नगर पालिका के उपचुनाव की नौबत क्यों आई, यह सोचकर जनता को वोट करनी चाहिए। वहीं गोगी ने कहा कि जब वह विधायक थे तो असंध के विकास कार्यों में कोई कमी नहीं आने दी। गोगी ने बताया कि असंध में खेल स्टेडियम, 100 बेड के अस्पताल, सिरसल रोड चोडाकरण पास करवाया। लेकिन टेंडर लगाना सरकार का काम है जोकि आजतक रोका हुआ है। इसी के साथ असंध में वेटरनरी अस्पताल बन रहा है, बिजली निगम का सचिवालय बन रहा है। इसके अलावा जनस्वास्थ्य विभाग का कार्यालय सहित बहुत से ट्यूबवेल लगे हैं विभिन्न गांवों में सड़कें बनी हैं। असंध का विकास के मुद्दे पर ही ये चुनाव लड़ा जाएगा। वहीं एडवोकेट सोनिया बोहत ने कहा कि जिस विश्वास के साथ उसने पार्टी ज्वॉइन की थी, पार्टी ने उसे उम्मीदवार बनाया है। वह जन जन को पार्टी से जोड़ने के लिए जी जान लगा देंगी। सोनिया बोहत ने कहा कि पिछले ढाई साल है वह अकेली थी, जिसने पूर्व चेयरमैन सतीश कटारिया की फर्जी मार्कशीट का मुद्दा उठाया और कोर्ट में केस लड़ा। अब असंध की जनता को यह देखकर वोट देनी चाहिए कि कौन उनके लिए संघर्ष कर सकता है। सोनिया ने कहा कि वह विकास कार्यों में किसी भी प्रकार की कमी नहीं आने देंगी।

इस अवसर पर कांग्रेस नेता जितेन्द्र चोपड़ा, पार्षद संदेश जिंदल, अनिल शर्मा, सुरजीत राणा, राजेंद्र सिंह, ऋषिपाल दुपेड़ी, नीरज बत्रा सहित अन्य मौजूद रहे।

'रविदास जी सबसे बड़े समाज सुधारक हुए और उन्होंने ही समाजवाद की नींव रखी'

मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी सुमन सैनी ने बतौर रविदास जयंती पर मुख्य अतिथि की शिरकत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजेश कुमार

पंचकूला। संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जयंती के पावन अवसर पर हरियाणा के मुख्यमंत्री की धर्मपत्नी एवं राज्य बाल कल्याण परिषद की उपाध्यक्ष सुमन सैनी ने सेक्टर 15 स्थित गुरु रविदास भवन में आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत की। उन्होंने गुरु रविदास महाराज की प्रतिमा पर मत्था टेका और श्रृद्धासुमन अर्पित किए। उन्होंने सभी नागरिकों को गुरु पर्व की मुबारकबाद और बधाई दी।

यह समारोह की अध्यक्षता पूर्व निदेशक गेल इंडिया लिमिटेड, श्रीमती बंतो कटारिया और कालका की विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा, एसीएस डी सुरेश ने भी बतौर विशिष्ट अतिथि समारोह में शिरकत की।

वक्ताओं ने कहा कि यह दलित शक्ति से जुड़ा हुआ उत्सव है जिसके लिए बाबा साहब डा. भीमराव अंबेडकर ने बड़ा बलिदान दिया। इससे पहले गुरु रविदास जी सबसे बड़े समाज सुधारक हुए और उन्होंने समाजवाद की नींव रखी। समारोह में भाजपा जिला अध्यक्ष दीपक शर्मा,

सदस्य एच एस सी, साधुराम जाखड़, ओमप्रकाश देवीनगर, एडीसी निशा यादव, एसडीएम चंद्रकांत कटारिया, सेवानिवृत आईएएस टी डी जोगपाल, के एस भोरिया, सज्जन सिंह, पूर्व डीजीपी बी एस संधू, एस एस फुलिया, एच सी सिसोदिया, सुल्तान सिंह आई पीएस रंजिता मेहता, अशोक शेरवाल, पूर्व विधायक लहरी सिंह, पार्षद सोनू बिड़ला, ओमवती पुनिया, सोनिया सूद, जय कौशिक, पूर्व चीफ इंजीनियर हरपाल सिंह, सभा के प्रधान कृष्ण कुमार, अंबेडकर सभा सेक्टर 12 के प्रधान सुरेश मोरका, उप प्रधान तेजपाल जौहर, महासचिव जयबीर सिंह रंगा, पूर्व प्रधान बी एस रंगा, मोहन लाल, राजकपूर, कृष्ण बराड़, भाजपा एस सी मोर्चा, सेवानिवृत सुरेंद्र जाटव, मुख्य प्रबंधक एस बी आई, ओ पी भोला, मनोहर लाल डिप्टी सेक्रेट्री, महामंत्री सुदेश बिड़ला, जे डी वर्बन, राजकुमार सिमर जेडी फाइनेंस, रामकुमार महिवाल सहित भारी संख्या में नागरिकों ने गुरु जी को श्रृद्धासुमन अर्पित किए।

संप्रीत सिंह भजन पार्टी ने समारोह में गुरु वाणी की बहुत शानदार प्रस्तुति दी और श्रोताओं को भाव विभोर कर दिया। कालका विधायक श्रीमती शक्ति रानी शर्मा ने कहा कि हरियाणा सरकार संत शिरोमणि गुरु रविदास जी के पदचिन्हों पर चलते हुए समाज की भलाई और उत्थान के कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि ने एस सी वर्ग की भलाई एवं उत्थान के लिए अनेक जनहित की योजनाएं क्रियान्वित की है और उनका सीधा लाभ समाज के लोगों को मिला है। सरकार की इन जन कल्याणकारी योजनाओं के कारण समाज में आर्थिक और सामाजिक समृद्धि और खुशहाली आई है।

भाजपा उपाध्यक्ष बनतो कटारिया ने कहा कि गुरु रविदास जयंती समारोह विश्व भर में धूमधाम से मनाया जा रहा और गुरु जी की वाणी का प्रसार प्रचार किया जा रहा है। गुरु जी लगभग साढ़े छ सौ साल पहले एकता और समानता का संदेश दिया जो आज भी प्रासंगिक है। गुरु जी ने कहा ऐसा चहुं राज में जहां मिले सभी को अन्न, छोट बड़ सब बसे रविदास रहे प्रसन्न ऐसी कल्पना की थी। श्रीमती कटारिया ने संस्था को भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया।

'संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की शिक्षाएं समानता, विनम्रता और करुणा के मूल्यों को देती है बढ़ावा'

विधायक ने रविदास जयंती पर की दर्जनों कार्यक्रमों में शिरकत

एसबी विशेष संवाददाता/मदन पुरी

करनाल। विधायक जगमोहन आनंद ने कहा कि श्री गुरु रविदास जी ने समानता और सामाजिक न्याय को बढ़ावा दिया था, उनकी शिक्षाएं समानता, विनम्रता और करुणा के मूल्यों को बढ़ावा देती है जो एक अधिक समावेशी समाज बनाने के लिए आवश्यक है। विधायक जगमोहन आनन्द बुधवार को गांव काछवा में संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में श्री गुरु रविदास जी के मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा कि श्री गुरु रविदास जी एक समाज सुधारक थे, उनके भक्ति गीत और भजन आन्तरिक शुद्धता और ईश्वर के प्रति समर्पण पर केंद्रित थे। उन्होंने कहा कि उन्होंने एक ऐसी दुनिया की कल्पना की जहां सभी का सम्मान किया जाता है और सभी को समान रूप से महत्व दिया जाता है। उनका जीवन और शिक्षाएं लोगों को धार्मिक व सामाजिक बाधाओं को तोडते हुए एक न्यायपूर्ण और निष्पक्ष समाज के लिए प्रयास करने के लिए प्रेरित करती है। उन्होंने कहा कि उन्होंने भाईचारे और शांति को बढ़ावा दिया, वे एक महान संत और उपदेशक थे बल्कि एक प्रतिभाशाली कवि भी थे। उनका संदेश लोगों को प्रेरित करता है, उनका जीवन लोगों को सदाचारी और धार्मिक जीवन जीने के लिए प्रोत्साहित करता है। गुरु रविदास जी ने जातिगत भेदभाव का कड़ा विरोध किया था और प्रेम और मानवता पर आधारित जातिविहीन समाज के विचार को बढ़ावा दिया था।

इस मौके पर विधायक जगमोहन आनन्द ने विधानसभा चुनावों में भरपूर सहयोग देने के लिए सभी का धन्यवाद किया और कहा कि करनाल मेरा परिवार है और मैं अपने परिवार के लिए 24 घंटे विकास कार्य करवाने के लिए तैयार हुं। जिन उम्मीदों के साथ लोगों ने उन्हें वोट देकर हरियाणा विधानसभा भेजा है, उनकी उम्मीदों पर खरा उतरते हुए विकास कार्यों को तेज गति से आगे बढ़ाया जाएगा।

इस कार्यक्रम के बाद विधायक जगमोहन आनन्द ने संत शिरोमणि श्री गुरु रविदास जी की जयंती के उपलक्ष्य में कैथल-पिंगली रोड, गांव सैदपुरा, गांधी नगर, सेक्टर-32, सदर बाजार, जाटो गेट, सेक्टर-16 में आयोजित कार्यक्रमों में शिरकत की तथा श्री गुरु रविदास जी के चरणों में नमन किया।

इस अवसर पर पूर्व मेयर रेनू बाला गुप्ता, मंडल अध्यक्ष मोहन लोधी, प्रधान अमृत लाल जोशी, दीपक शर्मा, सिकन्दर सलमानी, काछवा गांव के सरपंच प्रतिनिधि दीपक कुमार, पूर्व सरपंच बिट्टू, पूर्व सरपंच बंसीलाल, जोगिन्द्र सिंह, ओमप्रकाश सहित विभिन्न कार्यक्रमों में कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

संत रविदास ने समाज को दी नई दिशाः शेर प्रताप शेरी

संत रविदास जयंती के उपलक्ष्य में शहर में निकाली भव्य शोभायात्रा

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असन्ध। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज जी की 648वीं जयंती के उपलक्ष्य में संत शिरोमणि रविदास सभा व डॉ. बी.आर अम्बेडकर सभा की ओर शहर में भव्य शोभा यात्रा निकाली गई। जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान रविदास सभा प्रधान रामकिशन सिवाच, अम्बेडकर सभा प्रधान सोहन लाल, नरेश कादियान, पूर्व चेयरमैन सतीश कटारिया, पूर्व पार्षद राजेश भुक्कल, एडवोकेट मन्नीराम भी मौजूद रहे। जगह-जगह शोभायात्रा का पुष्पवर्षा से स्वागत हुआ। शोभायात्रा का करनाल रोड पर हरियाणा किसान कांग्रेस के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष शेर प्रताप शेरी ने स्वागत किया।

शेरी ने कहा कि संत रविदास ने समाज को एक नई दिशा दी है। उन्होंने सामाजिक बुराइयों, कुरीतियों और अंधविश्वास को पूरी तरह समाप्त कर समाज को सही दिशा दिखाई है। हम सभी को समाज में फैली छुआछूत जैसी सामाजिक कुरीतियों को खत्म कर एक सभ्य समाज के निर्माण का संकल्प लेना चाहिए। संत रविदास आध्यात्मिक ज्ञान के प्रतीक थे। उन्होंने अपना जीवन आस्था और भक्ति के साथ मानवता की सेवा के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने जातिगत और सामाजिक भेदभाव को दूर करने के लिए संघर्ष किया।

इस अवसर पर सुक्रमपाल सिंधड, गुरनाम सिंह दनौली, श्याम पाल रोहिल्ला, सराजुद्दीन दूपेडी, जयनारायण प्रजापति, डॉ. मांगे राम, तेजभान, जयबीर पंच, ऋषि दूपेडी, वकील अहमद, निशाबर सिंह निशोरिया, टीलू राणा अरडाना सहित अन्य मौजूद रहे।

संत गुरु रविदास जी ने समाज उत्थान के लिए अनेकों कार्य किए : कृष्ण भुक्कल

भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कुरुक्षेत्र प्रभारी कृष्ण भुक्कल ने संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज को किया नमन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। संत शिरोमणि गुरु रविदास जी की जयंती देश भर में बड़े ही हर्षोल्लास व धूमधाम के साथ मनाई गई। विभिन्न जगहों पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किए गए।

वहीं भाजपा के वरिष्ठ नेता एवं कुरुक्षेत्र प्रभारी कृष्ण भुक्कल ने भी संत शिरोमणि गुरु रविदास जी महाराज को नमन किया। कृष्ण भुक्कल ने कहा कि संत शिरोमणि गुरु रविदास जी ने अनेक समाज सुधारक कार्य किए। संत गुरु रविदास जी ने समाज उत्थान के लिए कार्य किए और उन्हें समाज में बराबर का हक दिलाने का काम किया। उन्होंने कहा कि गुरु रविदास के जीवन से हमें बहुत शिक्षा मिलती है। हमें उनकी जीवनी के बारे में अवश्य जानना चाहिए, तभी हम समाज में आगे बढ़ सकते हैं और समाज के लिए कुछ कर सकते हैं। उन्होंने कहा

कि रविदास जी ने अपना पूरा जीवन समाज और लोगों के कल्याण में लगा दिया। उन्होंने कहा कि संत किसी एक समाज के न होकर बल्कि समस्त समाज के होते है। हमें उनके मूल्य और अध्यक्षों का अनुसरण करना चाहिए।

विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्लेस ऑफ सेफ्टी में नशा निषेध पर कार्यक्रम का किया आयोजन

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष चंद्रशेखर के मार्गदर्शन में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा प्लेस ऑफ सेफ्टी में ज्यूविनायलों के लिए नशा निषेध पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डा. इरम हसन ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। यहां पहुंचने पर डॉ. इरम हसन का प्लेस ऑफ सेफ्टी के सुपरिंटेंडेंट अजय कुमार ने उनका स्वागत किया व आभार प्रकट किया। कार्यक्रम का आयोजन जिला रेडक्रॉस सोसाइटी के सचिव कुलबीर मलिक और नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो अशोक वर्मा के सौजन्य से किया गया। इस मौके पर डा. इरम हसन ने नशा निषेध हेतु नालसा की योजनाओं की जानकारी दी और संबंधित कानूनी सेवाओं के बारे में उपस्थित स्टाफ व बच्चों को जागरूक किया।

कार्यक्रम में अशोक वर्मा ने नशा से होने वाले दुष्प्रभावों व रिहैबिलेशन बारे जानकारी दी। मौके पर ज्यूविनायलों की दो टीमों के बीच वॉलीबॉल का मैच हुआ, जिसमें सभी प्रतिभागियों को प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया गया। रेड कास सोसायटी के सचिव कुलबीर मलिक ने ज्यूविनायलों के लिए इनडोर गेम्स प्रदान किया व सभी ज्यूविनायलों को रिफ्रेशमेंट प्रदान की।

इस अवसर पर अतिथियों ने प्लेस ऑफ सेफ्टी को बच्चों के लिए प्रदान की सेवाओं के लिए उन्हे प्रशंसा पत्र देकर सम्मानित किया।

इसके अलावा मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव डा. इरम हसन गांव जुण्डला पहुंची, जहां उन्होंने आंगनवाड़ी वर्कर को कैम्पेन स्वच्छता सखी बारे जानकारी देते हुए महिलाओं को मासिक धर्म संबधित भ्रमों से दूर रहने व स्वास्थ्य के प्रति सजग रहते हुए सैनिटरी नैपकिन का प्रयोग करने व संबंधित सूचना का महिलाओं के हित में प्रसार करने का आग्रह किया।

उन्होंने कार्यस्थल पर महिलाओं के यौन शोषण से बचाव हेतु गठित आंतरिक कमेटी एवं जिला स्थानीय कमेटी के बारे में विस्तार से जानकारी दी। इस कार्यक्रम में सीमा प्रसाद ने आए हुए अतिथियों का धन्यवाद किया तथा सुमन नैन ने पॉक्सो एक्ट के बारे में विस्तार से जानकारी दी।

इस मौके पर रितेश, दीपिका सहित गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

संत रविदास के जीवन से लें प्रेरणाः एडवोकेट सोनिया बोहत

एसबी ब्यूरो प्रमुख/विजय गर्ग

असंध। संत शिरोमणि गुरु रविदास ने सदा ही मानवता के लिए काम किया उनके जीवन से हर किसी को शिक्षा लेनी चाहिए। संत महापुरुष सभी वर्गो के होते है और संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की शिक्षाओं पर चल कर अपने जीवन को सफल बनाएं। सभी को गुरु रविदास के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। उपरोक्त विचार कांग्रेस नेत्री एडवोकेट सोनिया बोहत ने वार्ड-1 में संत शिरोमणि गुरु रविदास सभा व डॉ.बी.आर अम्बेडकर सभा द्वारा संत शिरोमणि गुरु रविदास जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम मे बोलते हुए कहे। इस दौरान भंडारे का आयोजन किया गया जिसमें सैकड़ों श्रद्धालुओं ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया।

एडवोकेट सोनिया बोहत को संत शिरोमणि गुरु रविदास सभा व डॉ. बी.आर अम्बेडकर सभा के सदस्यों ने सिरोपा

पहनाकर सम्मानित किया। कांग्रेस नेत्री सोनिया बोहत ने कहा कि संत रविदास का जीवन हम सभी के लिए सामाजिक समरसता का प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि संत रविदास ने आपसी सौहार्द व भाईचारे का संदेश देते हुए समाज को नई दिशा देने का काम किया। सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस अवसर रविदास सभा के प्रधान रामकिशन सिवाच, अम्बेडकर सभा के प्रधान सोहन लाल, नरेश कादियान, पूर्व पार्षद राजेश भुक्कल, एडवोकेट मन्नी राम, रामधारी, अजमेर सिंहमार, रमेश कादियान, रामकरण जागलान, कुलदीप सहित अन्य मौजूद रहे।

राष्ट्रीय साधन सह योग्यता परीक्षा के सफल विद्यार्थियों को खंड शिक्षा अधिकारी राजौंद बलबीर कश्यप ने शुभकामनाएं दी

परिक्षा में आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सोंगरी की छात्रा नव्या नीमवाला ने परचम लहराया

एसबी ब्यूरो प्रमुख/निर्मल कुमार

राजौंद। खंड राजौंद का राष्ट्रीय साधन सह योग्यता परीक्षा का प्रोविजनल रिजल्ट शानदार रहा है। जानकारी देते हुए बलबीर कश्यप खंड शिक्षा अधिकारी एवं खंड संसाधन संयोजक राजौंद ने बताया कि हरियाणा शिक्षा बोर्ड ने राष्ट्रीय साधन सह योग्यता छात्रवृत्ति परीक्षा का प्रोविजनल परिणाम घोषित कर दिया है। इस छात्रवृत्ति परिक्षा के लिए पूरे हरियाणा प्रदेश से 48543 बच्चों ने यह परीक्षा दी थी जिसमें 2337 विद्यार्थी चयनित हुए हैं। परीक्षा में पास हुए विद्यार्थियों को अब चार साल तक प्रति माह एक हजार रुपए की छात्रवृत्ति मिलेगी। इन विद्यार्थियों को किताबें, कॉपियां और अन्य स्कूल से संबंधित वस्तुओं को खरीदने के लिए अपने माता-पिता से पैसे नहीं लेने पड़ेंगे। माता पिता और अभिभावकों का आर्थिक बोझ कुछ कम होगा, क्योंकि उनके होनहार और मेधावी विद्यार्थी ने उनके लिए एक मुकाम हासिल किया है, जो गर्व की बात है।

सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे विद्यार्थियों के लिए सरकार नई-नई योजनाएं चला रही है इन योजनाओं का लाभ उठाकर पात्र विद्यार्थी जीवन में आगे भी बढ़ रहे हैं। सरकार अब इन विद्यार्थियों को चार साल में कुल अड़तालिश हजार रुपए का भत्ता देगी। इसके लिए विद्यार्थियों ने 17 नवंबर को परीक्षा दी थी। जिसका प्रोविजनल परिणाम शिक्षा विभाग ने घोषित कर दिया है। अब इन विद्यार्थियों के डॉक्यूमेंट वेरीफाई किए जाएंगे। परीक्षा को लेकर ऑनलाइन आवेदन लिए गए थे। विदित हो कि पूरे हरियाणा से 48543 आवेदन भरे गए थे। हिसार से 193 विद्यार्थी का चयन होने पर प्रथम एवं यमुनानगर 183 बच्चों के साथ दूसरे स्थान पर रहा है। उसी प्रकार से 144 बच्चों के साथ फतेहाबाद तीसरे नंबर पर रहा। इसी कड़ी में कैथल जिले के 130 विद्यार्थियों ने यह परीक्षा पास की है जो कि चौथे स्थान पर रहा है।

कैथल जिले से कुल 130 होनहार एवं मेधावी छात्राओं का चयन इसमें हुआ है। खंड राजौंद के कुल 7 विद्यालयों से 19 बच्चों ने यह परीक्षा पास की है, जिसमें आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सौंगरी से नाव्या पुत्री यशदेव शर्मा पुत्र माया राम शर्मा नीमवाला के साथ राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सौंगरी गुलियाना से सरिचा, खुशी, पल्लवी, प्रिया, डिंपल और अंशु है। इसी प्रकार पीएम श्री राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सौंगल से आशु, कुसुम जन्नत, अदिति और प्राची है। राजकीय हाई स्कूल खेड़ी सिंबल वाली से दीपांशु, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहेड़ा से तमन्ना, मानसी और निशु, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जखोली से शगुन, माफी और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक

ब्लाक शिक्षा अधिकारी राजौंद बलबीर सिंह कश्यप।

विद्यालय बीर बांगड़ा से क्रिस्टी ने परीक्षा पास करके अपने माता पिता, अभिभावकों, विद्यालय स्कूल स्टाफ, खंड राजौंद और कैथल जिले का नाम रोशन किया है। ब्लाक शिक्षा अधिकारी बलबीर सिंह कश्यप ने सभी सफल परीक्षार्थियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। यह परीक्षा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाती है। इसमें बच्चों की कड़ी मेहनत, लगन, धैर्य, विश्वास और उनकी पढ़ाई के लिए निरंतरता शामिल है जिसके कारण ही इसमें बच्चे सफल हुए।

अकेले राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सौंगरी गुलियाना से 6 बच्चे, पीएम श्री राजकीय माध्यमिक विद्यालय सौंगल से पांच बच्चे, राजकीय हाई स्कूल खेड़ी सिंबल वाली से एक छात्र ने, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय रोहेड़ा से तीन बच्चों, राजकीय कन्या वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय जखोली से दो और आरोही मॉडल सीनियर सेकेंडरी स्कूल सौंगरी से एक और राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय बीर बांगड़ा से एक छात्रा के द्वारा यह परीक्षा पास की गई है। जो परिणाम की लिस्ट प्राप्त हुई है उसके अनुसार कैथल जिले में राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय सौंगरी गुलियाना की छात्रा सरिचा ने प्रथम स्थान हासिल किया है। सभी बच्चों को इस परीक्षा के पास करने पर प्रतिमाह एक हजार रुपए की राशि प्रदान की जाएगी जो कि साल की बारह हजार हो जाती है। इसी प्रकार यह चार सालों तक लगातार मिलती रहेगी। यह राशि सीधे बच्चों के अकाउंट आती रहेगी। जिस से ये सभी बच्चे अपने आगे की पढ़ाई भी बहुत अच्छे तरीके से कर पाएंगे और आगे भी ऐसी प्रतियोगिताओं में भाग लेकर अच्छे से अच्छे मुकाम को हासिल कर पाएंगे। इसके लिए सभी छात्रों के साथ-साथ उनके माता-पिता का उनका पूर्ण सहयोग देना अध्यापकों का मार्गदर्शन और स्कूल मुखिया एवं प्रबंधन के द्वारा उन्हें अवसर प्रदान करना ही महत्वपूर्ण होता है। इसके लिए सभी बधाई के पात्र हैं। उन्होंने कहा कि इस सफलता का पूरा श्रेय बच्चों को ही जाता है जिनकी कड़ी मेहनत से यह संभव हो पाया है।

खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि विद्यार्थियों ने जिला शिक्षा अधिकारी राम दिया गॉगट व जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी मति सरोज देवी एवं जिला गणित विशेषज्ञ सुशील कुमार के दिशा निर्देशों में बच्चों ने यह सफलता हासिल की है। उन्होंने सभी उच्च अधिकारियों का बहुत-बहुत हार्दिक धन्यवाद किया है। जिन्होंने समय पर मार्गदर्शन किया।

> छात्रवृत्ति के लिए कुछ मानक किए गए थे। विभाग की ओर से आरक्षण अनुसार छात्रवृत्ति दी जानी है। परीक्षार्थी के माता-पिता की कुल वार्षिक आय तीन लाख पचास हजार से कम होनी चाहिए। चयनित विद्यार्थियों को जिला स्तर पर आरक्षण के अनुसार छात्रवृत्ति दी जाएगी। परीक्षा में बीसीए कैटेगरी को 16 प्रतिशत, बीसीबी कैटेगरी को 11 प्रतिशत एससी कैटेगरी को 20 प्रतिशत और शारीरिक दिव्यांग कैटेगरी को 3 प्रतिशत आरक्षण दिया जाएगा। शेष सामान्य वर्ग के विद्यार्थियों को सक्षम अधिकारियों द्वारा जारी प्रमाण पत्र की कॉपी आवेदन पत्र के साथ अपलोड करनी होगी। जिसके आधार पर ही आरक्षण मिलेगा। इस आधार पर विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

नगर निगम चुनाव के लिए मतदान दो मार्च व मतगणना 12 मार्च कोः उत्तम सिंह

एसबी विशेष संवाददाता

करनाल। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि करनाल नगर निगम के लिए मतदान 2 मार्च को होगा और मतगणना 12 मार्च को की जाएगी, इसके अलावा इंद्री और नीलोखेड़ी नगरपालिका चुनाव के लिये मतदान दो मार्च हो होगा। इसी दिन असंध नगर पालिका चेयरमैन पद के लिये और तरावड़ी नगर पालिका के वार्ड 5 का उपचुनाव कराया जाएगा।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि नामांकन प्रक्रिया शुरू हो गई है, अभी तक किसी भी उम्मीदवार ने नामांकन नहीं किया है, नामांकन आगामी 17 फरवरी तक राजपत्रित अवकाश को छोड़कर सभी कार्य दिवसों में नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे।

इसके बाद 18 फरवरी को नामांकन पत्रों की जांच होगी। उम्मीदवार 19 फरवरी को सुबह 11 से दोपहर बाद 3 बजे तक नाम वापस ले सकते हैं। इसी दिन 3 बजे के बाद प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आबंटित किए जाएंगे। इसके बाद 19 फरवरी को ही चुनाव लडने वाले प्रत्याशियों, मतदान केन्द्रों की सूची निर्धारित स्थान पर चस्पा कर दी जाएगी। दो मार्च को सुबह आठ बजे से शाम छह बजे तक मतदान होगा। चुनाव प्रक्रिया संपन्न होने पर 12 मार्च को सुबह 8 बजे से मतगणना करवाई जाएगी और इसी दिन नतीजे घोषित किए जाएंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि मेयर पद के सामान्य वर्ग के पुरुष के लिए 10वीं, महिला, एससी महिला एवं अनुसूचित जाति के पुरुष के लिए आठवीं कक्षा पास होना जरूरी है। नगर निगम के पार्षद पद के लिए सामान्य वर्ग के पुरुष के लिए 10वीं, महिला, अनुसूचित जाति के लिए आठवीं और अनुसूचित जाति की महिला के लिए पांचवी पास होना जरूरी है। उन्होंने बताया कि नगर पालिका प्रधान के लिए सामान्य वर्ग के लिए 10वीं, महिला, अनुसूचित जाति की महिला एवं अनुसूचित जाति के लिए आठवीं पास होना जरूरी है।

नगर पालिका में पार्षद पद के लिए सामान्य वर्ग के लिए 10वीं, महिला, अनुसूचित जाति के लिए आठवीं और अनुसूचित जाति की महिला के लिए पांचवी पास होना जरूरी है। ये रहेगी जमानत राशि जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि नगर निगम में मेयर पद के लिए सामान्य वर्ग के प्रत्याशी के लिए 10 हजार रुपये, अनुसूचित जाति, बीसी-ए, बी सी-बी और महिला के लिए 5 हजार रुपये की जमानत राशि तय की गई है।

नगर निगम में पार्षद पद के लिए सामान्य वर्ग के प्रत्याशी के लिए 3 हजार रुपये, अनुसूचित जाति, बीसी-ए, बी सी-बी और महिला के लिए 1500 रुपये की जमानत राशि तय की गई है। इसी प्रकार नगर पालिका में चेयरमैन पद के लिए सामान्य वर्ग के प्रत्याशी के लिए 2 हजार रुपये, अनुसूचित जाति, बीसी-ए, बी सी-बी और महिला के लिए एक हजार रुपये की जमानत राशि तय की गई है। नगर पालिका में पार्षद पद के लिए सामान्य वर्ग के प्रत्याशी के लिए एक हजार रुपये, अनुसूचित जाति, बीसी-ए, बी सी-बी और महिला के लिए 500 रुपये की जमानत राशि तय की गई है।

चुनावी खर्च की सीमाः जिला निर्वाचन अधिकारी एवं उपायुक्त उत्तम सिंह ने बताया कि नगर निगम मेयर पद के चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की खर्च सीमा 30 लाख रुपये, पार्षद पद के लिए सात लाख 50 हजार रुपये तय की गई है।

नगर पालिका चेयरमैन पद के चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों की खर्च सीमा 12 लाख 50 हजार रुपये, पार्षद पद के लिए तीन लाख रुपये तय की गई है। उन्होंने बताया कि सभी चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों को चुनाव खर्च का ब्यौरा रखना होगा और उसे चुनाव खत्म होने के बाद 30 दिनों के अन्दर संबंधित आरओ को जमा करवाना होगा। यदि कोई प्रत्याशी ऐसा नहीं करता है तो उसे पांच साल के लिए प्रतिबंधित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि अगर किसी प्रत्याशी की आपराधिक पृष्ठभूमि है तो उसे उसका पूरा ब्यौरा सार्वजनिक करना होगा। इसके लिए उसे स्थानीय हिन्दी व अंग्रेजी समाचार पत्रों में पूरी जानकारी प्रकाशित करवानी होगी। साथ ही अलग-अलग 3 दिनों में स्थानीय टीवी चैनल और केबल नेटवर्क पर प्रसारित करवानी होगी।